राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण गुरुवार 26 अक्टूबर 2023 वर्ष–6,अंक–275 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

डैमेज कंट्रोल में कांग्रेस, खड़गे ने बताया- INDIA में कब होगी सीट शेयरिंग पर चर्चा?

नई दिल्ली। समजावादी पार्टी सुप्रीमो अखिलेश यादव ने हाल ही में मध्य प्रदेश में गठबंधन नहीं होने पर कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधा था। इसका जवाब कमलनाथ सहित यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने भी दिया। इसके बाद से इंडिया गठबंधन में सीट शेयरिंग का मुद्दा फिर से गरमा गया है। कांग्रेस पार्टी अब डैमेज कंट्रोल में जुट गई है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि कि पहले पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव हो जाने देते हैं, उसके बाद लोकसभा चुनाव के लिए इंडिया गठबंधन में सीट शेयरिंग पर चर्चा होगी। कर्नाटक में न्यूज एजेंसी एएनआई से बात करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, हमारे लोग हर जगह कार्य कर करे हैं, हमें उम्मीद है कि हम पांच राज्यों में जरूर जीतेंगे। भाजपा के एक विरोधी लहर भी आई है, लोग तंग हो गए हैं। बेरोजगारी, महंगाई से लोग परेशान हैं। भाजपा द्वारा किए वादे नहीं निभाए गए। उनके द्वारा कर्नाटक को नजरअंदाज किया गया। खड़गे ने आगे दावा किया कि मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान से लोगों को समस्या है और लोग उनके ख़िलाफ बोल रहे हैं।

केदारनाथ हेली सेवा चार धाम यात्रा पर बड़ा अपडेट, हेलीकॉप्टर बुकिंग की आ गई डेट

देहरादून। उत्तराखंड चार धाम यात्रा पर हेली सेवा का लाभ लेने के लिए बहुत बड़ा अपडेट सामने आया है। हेलीकॉप्टर से दर्शन करने के इच्छुक तीर्थ यात्री अब हेली टिकट बुक करा सकेंगे। नवंबर की बुकिंग के लिए पोर्टल शुरू होने वाला है। विदित हो कि बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री सहित चारों धामों के कपाट खुलने के साथ ही दिल्ली-एनसीआर, यूपी, एमपी, राजस्थान सहित देश के अन्य राज्यों से तीर्थ यात्री भारी संख्या में दर्शन करने को आ रहे हैं। केदारनाथ धाम की हेलीयात्रा के लिए नवंबर की बुकिंग बुधवार से शुरू होगी। इससे पहले अक्तूबर तक की बुकिंग फुल हो चुकी हैं। इस बार केदारनाथ हेली यात्रा के लिए ऑनलाइन टिकट बुकिंग की जिम्मेदारी रेलवे की कंपनी आईआरसीटीसी उठा रही है। कंपनी ने www.heliyatra.irctc.co.ढ्ठ पोर्टल पर जानकारी दी है

कांग्रेस टिकट देने के बाद बदलेगी उम्मीदवार ? क्यों एमपी की 4-5 सीटों पर लटकी तलवार

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में सभी 230 सीटों पर कांग्रेस ने उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं। इसी बीच खबरें हैं कि अब पार्टी कुछ 4-5 सीटों पर नाम काट सकती है। हालांकि, इसे लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। संभावनाएं जताई जा रही हैं कि पार्टी इस सप्ताह राजधानी दिल्ली में होने वाली बैठक में बड़ा फैसला ले सकती है।

इन सीटों पर बदले जा सकते हैं उम्मीदवार

अब तक टिकट कटने और नए उम्मीदवारों को लेकर कांग्रेस ने खुलकर कुछ नहीं कहा है। अब संभावनाएं हैं कि आने वाले कुछ दिनों में पार्टी आमला, पिपरिया, शुजालपुर, जावरा और सुमावली में चेहरे बदल सकती है। टिकट बंटवारे के साथ ही कांग्रेस में विरोध प्रदर्शन और इस्तीफों का दौर शुरू हो गया है।

कौन कहां से है उम्मीदवार

कांग्रेस ने जावरा से हिम्मत श्रीमाल, सुमावली से कुलदीप सिकरवार, पिपरिया से गुरुचरण खरे, शुजालपुर से रामवीर सिंह सिकरवार और आमला से मनोज मालवे को टिकट दिया था। अब कहा जा रहा है कि इन सभी प्रत्याशियों को बदला जा सकता है।

क्या हो सकती हैं वजहें?

पिपरिया से उतरे खरे छिंदवाड़ा से हैं। कहा जा रहा है कि यही उनके विरोध की बड़ी वजह बन रहा है। टिकट का ऐलान होने के साथ ही उनके खिलाफ विरोध के सुर तेज हो गए हैं और करीब 12 दावेदार इसके खिलाफ लामबंद हो गए हैं। संभावनाएं जताई जा रही हैं कि कांग्रेस यहां वीरेंद्र बेलवंशी को मैदान में उतार सकती है।

अब तक टिकट कटने और नए उम्मीदवारों को लेकर कांग्रेस ने खुलकर कुछ नहीं कहा है। अब संभावनाएं हैं कि आने वाले कुछ दिनों में पार्टी आमला, पिपरिया, शुजालपुर, जावरा और सुमावली में चेहरे बदल सकती है। टिकट बंटवारे के साथ ही कांग्रेस में विरोध प्रदर्शन और इस्तीफों का दौर शुरू हो गया है।

सुमावली से टिकट न मिलने के बाद दिग्गज कांग्रेस नेता अजब सिंह कुशवाहा ने बहुजन समाज पार्टी का दामन थाम लिया था। कहा जा रहा है कि लगातार विद्रोही रवैये को देखकर कांग्रेस संभावनाओं को नुकसान नहीं पहुंचाना चाहती है। ऐसे में कहा जाने लगा है कि पार्टी सिकरवार की जगह फिस से कुशवाहा को टिकट दे सकती है।

शुजालपुर से मैदान में उतरे सिकरवार साल 2018 में विधानसभा चुनाव हार चुके हैं। इतना ही नहीं उनके नाम का दोबारा ऐलान होने के बाद विरोध तेज हो गया है। इधर, क्षेत्र के नेता योगेंद्र सिंह %बंटी% भी लगातार राजधानी भोपाल में शक्ति प्रदर्शन कर रहे हैं। ऐसे में अटकलें तेज हो गई हैं कि यहां कांग्रेस नया प्रत्याशी चुन सकती है।

आमला सीट पर कांग्रेस ने अंतिम समय तक भी उम्मीदवार के नाम का ऐलान नहीं किया था, लेकिन अंत समय में यहां से मालवे को चेहरा बनाया गया। कहा जा रहा है कि इसकी वजह डिप्टी कलेक्टर निशा बांगरे का इस्तीफा थी। वह चुनाव लड़ना चाहती हैं और राज्य सरकार ने हाल ही में उनकी इस्तीफा स्वीकार किया है। ऐसे में कहा जाने लगा है कि पार्टी उनके नाम का ऐलान कर सकती है। हाल ही में उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार से बांगरे के इस्तीफे पर 23 अक्टूबर तक फैसला लेने के लिए कहा था।

जावरा में भी उम्मीदवार बदलने की वजह विरोध प्रदर्शन हो सकती है। यहां श्रीमाल के नाम का ऐलान होने के बाद ही कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन तेज कर दिया था। क्षेत्र में पुतला फूंके जाने तक की खबरें सामने आई थीं।

नेटग्रिड और सीएमएस जैसी निगरानी प्रणालियों पर केंद्र से जवाब तलब

चार सप्ताह में मांगा जवाब

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने निगरानी प्रणालियों को चुनौती देने वाली एक जनहित याचिका को शीर्ष अदालत में स्थानांतरित करने की याचिका पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। यह जनहित याचिका दिल्ली हाई कोर्ट में लंबित है। इस याचिका में दावा किया गया है कि केंद्रीकृत निगरानी प्रणाली (सीएमएस), नेटवर्क ट्रैफिक एनालिसिस (एनएटीआरए) और नेशनल इंटेलिजेंस ग्रिड (नेटग्रिड) जैसे निगरानी प्रणालियों से नागरिकों की निजता के अधिकार को खतरे में डाला जा रहा है।

10 नवंबर को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध

इस पर सुनवाई करते हुए जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने 10 अक्टूबर को केंद्र को नोटिस जारी कर चार सप्ताह में जवाब मांगा है। पीठ ने गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) सेंटर फार पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन (सीपीआइएल) और साफ्टवेयर फ्रीडम ला सेंटर (एसएफएलसी) द्वारा दायर स्थानांतरण याचिका को 10 नवंबर को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया।

सीपीआइएल और एसएफएलसी द्वारा दायर जनहित याचिका दिल्ली हाई कोर्ट के समक्ष लंबित है। उसमें कहा गया है कि ये निगरानी प्रणालियां केंद्रीय और राज्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों को व्यापक स्तर पर दूरसंचार की निगरानी करने की अनुमति देती हैं और यह नागरिकों की निजता के मौलिक अधिकार का उल्लंघन है।

सभी प्रकार के संचार की निगरानी

वकील प्रशांत भूषण के माध्यम से दायर याचिका में

दलील दी गई है कि सीएमएस निगरानी प्रणाली के तहत टेलीफोन काल, व्हाट्सएप संदेश और ईमेल जैसे सभी प्रकार के संचार को इंटरसेप्ट किया जाता है और निगरानी की जाती है। याचिका में कहा गया है कि नेटग्रिड प्रणाली के तहत, टैक्स और बैंक खाते के विवरण, क्रेडिट कार्ड लेनदेन, वीजा और इमिग्रेशन रिकार्ड, रेल एवं हवाई यात्राओं की निगरानी की जाती है।

हरियाणा में जमीनी स्तर पर आप के विस्तार पर अरविन्द केजरीवाल की नजर

चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल की नजर हरियाणा में पार्टी को मजबूत करने पर टिकी है। यही वजह है केजरीवाल 5 नवंबर को हरियाणा का दौरा करेंगे। दो महीने में उनकी यह दूसरी यात्रा है। केजरीवाल इस दौरान करीब 6,500 वालंटियर्स को शपथ दिलाएंगे। जिन्हें गांवों के लिए पार्टी सचिव और शहरों में वार्डों के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है। हरियाणा आप के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनुराग ढांडा ने कहा कि आगामी कार्यक्रम के लिए स्थान को अभी तक अंतिम रूप नहीं दिया गया है, लेकिन यह राज्य के किसी सेंटर प्वाइंट पर आयोजित किया जाएगा। इसी साल 3 सितंबर को केजरीवाल करीब 4,000 स्थानीय पदाधिकारियों को शपथ दिलाने के लिए भिवानी आए थे। नए पदाधिकारियों में से प्रत्येक को शहरी क्षेत्रों में पांच वार्डों और ग्रामीण क्षेत्रों में पांच गांवों के लिए सर्कल प्रभारी नियुक्त किया गया। ढांडा के मुताबिक, 5 नवंबर को होने वाले कार्यक्रम में 4,000 ऐसे वालंटियर भी शामिल होंगे, जिन्हें पहले ही शपथ दिलाई जा

चुकी है। आप के एक दूसरे नेता ने कहा कि इन नियुक्तियों के अलावा, प्रत्येक गांव और शहरी क्षेत्रों में प्रत्येक वार्ड के लिए 21 सदस्यीय समिति का गठन किया गया है। ढांडा ने कहा, नेता ने कहा कि ऐसी नियुक्तियां लगभग 7,500 गांवों और शहरी वार्डों में की गई हैं और पार्टी की आने वाले महीनों में एक बड़ा कार्यक्रम आयोजित करने की योजना है, जिसमें इन समिति सदस्यों को भी बुलाया जाएगा। अनुराग ढांडा के अनुसार, हरियाणा में संगठन के सभी स्तरों राज्य पदाधिकारियों से लेकर ब्लॉक स्तर पर अध्यक्षों तक की नियुक्तियां पहले ही की जा चुकी हैं। उन्होंने कहा, हमने पंजाब और गुजरात में भी संगठन बनाने के लिए इसी तरह का फॉर्मूला चुना था। हरियाणा में हमारी सभी 10 लोकसभा और 90 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की योजना है।

हरीश रावत की बाल-बाल बची जान, देर रात डिवाइडर से टकरा गई कार

सीने में चोट

हल्द्वानी। हल्द्वानी से मंगलवार देर रात काशीपुर जाते समय पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत की कार डिवाइडर से टकरा गई। इस घटना में हरीश रावत घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उन्हें काशीपुर के केवीआर अस्पताल में भर्ती कराया है। उन्हें सीने में दर्द की शिकायत बताई जा रही है। इस घटना में रावत की कार भी क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस के अनुसार, पूर्व सीएम रावत मंगलवार रात अपनी कार से कुछ कार्यकर्ताओं के साथ हल्द्वानी से काशीपुर जा रहे थे। रात करीब 12.05 बजे बाजपुर रेलवे क्रॉसिंग के पास एक लोडर वाहन को ओवरटेक करने के प्रयास में उनकी

कार डिवाइडर से टकरा गई। इस हादसे में गाड़ी में आगे की सीट पर बैठे पूर्व सीएम को जोर का झटका लगा। घटना की सूचना मिलते ही एसएसपी मंजूनाथ टीसी के निर्देश पर सीओ बाजपुर भूपेंद्र सिंह भंडारी तत्काल मौके पर पहुंचे। बाजपुर के सीओ भंडारी ने बताया कि पूर्व सीएम हरीश रावत को बाजपुर अस्पताल में प्राथमिक उपचार दिलाने के बाद काशीपुर के केवीआर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

'चंद पैसों के लिए बेच दिया जमीर', महुआ मोइत्रा के 'फर्जी डिग्री' वाले बयान पर बीजेपी का पलटवार

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद महुआ मोइत्रा पर पैसे लेकर संसद में सवाल पूछने का आरोप लगाया गया है। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के लगाए गए आरोपों के बाद से ही राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। महुआ और निशिकांत के बीच एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। फर्जी डिग्री वाले बयान पर निशिकांत ने महुआ को एक बार फिर घेर लिया है। उन्होंने कहा कि अब अहम सवाल उनकी डिग्री या अदाणी समूह का नहीं है, बल्कि यह है कि क्या मोइत्रा ने पैसे के लिए संसद में सवाल पूछे थे या नहीं। साथ ही दुबे ने कहा कि चंद पैसे के लिए महुआ ने अपना जमीर बेच दिया।

महुआ ने कहा था फर्जी डिग्री वाले

वैष्णव द्वारा निशिकांत दुबे को लिखे गए पत्र पर महुआ मोइत्रा ने प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने पलटवार करते हुए एक्स पर लिखा था कि %कौन झूठ बोल रहा है? दो दिन पहले फर्जी डिग्री वाले ने कहा कि एनआईसी ने पहले ही जांच एजेंसी को दुबई लॉगिन सहित विवरण दे दिया है। अब अश्विनी वैष्णव कहते हैं यदि लोकसभा या एथिक्स कमेटी द्वारा पूछा गया तो एनआईसी भविष्य में जानकारी देगा।

महुआ ने केंद्रीय मंत्री के पत्र को हास्यपद बताते हुए यह भी लिखा था कि वह इंतजार कर रही हैं कि फर्जी निशिकांत दुबे के कथित तौर पर एयरपोर्ट के,ङ्मष्ट रूम में अवैध रूप से घुसने के मामले में कब जांच होगी। उन्होंने कहा कि मुझ पर हमला करने के लिए भाजपा का स्वागत है, लेकिन अडानी+गोड्डा शायद सर्वश्रेष्ठ रणनीतिकार नहीं है।

निशिकांत का पलटवार

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने महुआ पर कई सवाल दाग दिए। सोशल मीडिया एक्स पर कहा, सवाल संसद की गरिमा, राष्ट्रीय सुरक्षा और सांसद के औचित्य, भ्रष्टाचार और अपराध के बारे में है। उन्हें जवाब देना होगा कि क्या एनआईसी के मेल दुबई में एक्सेस किए गए थे? क्या पैसे के बदले सवाल पूछे गए थे? विदेश यात्राओं के लिए खर्च किसने उठाए? दुबे ने कहा कि उन्हें जवाब देना होगा कि क्या उन्होंने अपनी यात्राओं के लिए लोकसभा अध्यक्ष और विदेश मंत्रालय की अनुमति ली थी। उन्होंने कहा कि अब सवाल अदाणी, डिग्री या चोरी का नहीं, देश को गुमराह कर भ्रष्टाचार करने का है। भाजपा सांसद ने अंत में कहा कि डिग्री वाली चंद पैसे के लिए जमीर बेच रही, देश बेच रही।

यह है मामला–बता दें कि यह पूरा विवाद तब खड़ा हुआ जब बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने स्पीकर को पत्र लिखकर टीएमसी सांसद के खिलाफ कैश फॉर क्वेरी सबूत देने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया था कि ये सबूत वकील जय अनंत देहाद्राई द्वारा प्रदान किए गए थे। अब इस मामले में संसद की आचार समिति ने दुबे और अधिवक्ता देहाद्राई दोनों को 26 अक्टूबर को आरोपों के मौखिक साक्ष्य प्रस्तुत करने के लिए बुलाया है।

दिल्ली के लिए अगले तीन दिन होंगे मुश्किल, दशहरे की आतिशबाजी बढ़ाएगी टेंशन; पूरे हफ्ते नहीं होगी बारिश

नई दिल्ली। दिल्ली में वायु प्रदूषण की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। वायु गुणवत्ता पूर्व चेतावनी प्रणाली के मुताबिक, अगले तीन दिनों के दौरान भी हवा खराब या बेहद खराब श्रेणी में रहने का अनुमान है। दशहरा पर होने वाली आतिशबाजी के असर से भी प्रदूषण बढ़ने की आशंका है। पिछले एक सप्ताह में राजधानी की वायु गुणवत्ता 'खराब' से गिरकर 'बहुत खराब' श्रेणी में आ गई है। वायु गुणवत्ता पूर्व चेतावनी प्रणाली के मुताबिक, तापमान में गिरावट और ठंड की शुरुआत में राजधानी दिल्ली की हवा में प्रदूषण का स्तर लगातार सामान्य से ज्यादा बना हुआ है। राजधानी में हवा की दिशा उत्तरी पश्चिमी होने के चलते शनिवार से वायु गुणवत्ता सूचकांक लगातार 200 के अंक से ऊपर यानी खराब श्रेणी में दर्ज किया जा रहा है।

एक्यूआई 220 रहा

दिल्ली की हवा मंगलवार को भी खराब श्रेणी में रही। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक, दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 220 के अंक पर रहा। इस स्तर की हवा खराब श्रेणी में होती है।

पुतला दहन से बढ़ेगा प्रदूषण

सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) के विश्लेषक सुनील दहिया ने कहा, %चूंकि वर्तमान में प्रदूषण उच्च स्तर पर है और

उत्तर-पश्चिम भारत के खेतों में पराली जलाने की घटनाएं बढ़ रही हैं। वहीं दो से तीन घंटे तक पुतले जलाने से मौजूदा प्रदूषण भार में बढ़ोतरी होगी। इसका असर पुतले जलाने वाले स्थानों के नजदीक स्थित स्टेशनों पर दिखाई देगा। हालांकि, यह स्थिति दिवाली जितनी बुरी नहीं होगी जब लोग रात के दौरान पटाखे जलाते हैं और प्रतिकूल मौसम संबंधी स्थिति के कारण प्रदूषक तत्व अटके रह जाते हैं।

पूरे हफ्ते नहीं होगी बारिश

भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम), पुणे द्वारा जारी वायु गुणवत्ता पूर्वानुमान के अनुसार, अगले कुछ दिनों में एक्यूआई %खराब% से %बहुत खराब% स्तर से ऊपर रहने की संभावना है, जिसमें बुधवार सुबह महत्वपूर्ण गिरावट हो सकती है। पूरे हफ्ते बारिश की कोई गतिविधि नहीं होने की भविष्यवाणी की गई है। सुबह धुंध के साथ आसमान साफ रहने की उम्मीद है। दिल्ली में रात का तापमान 17 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया है, और हवाएं मुख्य रूप से उत्तर पश्चिम भारत से आ रही हैं जहां पराली जलाने की घटनाएं फिर से बढ़ गई हैं। हवा की गति मध्यम, 6-10 किमी प्रति घंटे और रात के समय आमतौर पर शांत रहती है। 10 किमी प्रति घंटे से कम हवा की गति आमतौर पर प्रदूषकों को ठहराव की ओर ले जाती है और प्रदूषण के स्तर में वृद्धि का कारण बनती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

सियासत में अफसर

ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के लंबे समय से निजी सचिव रहे आईएएस अधिकारी वी के पांडियन द्वारा स्वैच्छिक रिटायरमेंट लेकर सरकार का हिस्सा बनने की खबर जिस वक्त सुर्खियों में आई, लगभग उसी समय मध्य प्रदेश में डिप्टी कलक्टर निशा बांगरे का इस्तीफा मंजूर होने की सूचना भी मीडिया में साया हुई। निशा को विधानसभा चुनाव लड़ना है और अपने इस्तीफे की मंजूरी के लिए उन्होंने बाकायदा आला अदालतों का दरवाजा खटखटाया, क्योंकि राज्य सरकार उन्हें सेवा-मुक्त करने को तैयार न थी। विडंबना यह है कि जिस विधानसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी के तौर पर उनके चुनावी मैदान में उतरने की अटकलें लगाई जा रही थीं, वहां से पार्टी किसी अन्य का नाम घोषित कर चुकी है। बहरहाल, पांडियन और निशा के इन फैसलों से कई सवाल खड़े होते हैं, जिन पर गंभीरता से गौर करने की जरूरत है। आखिर प्रशासनिक अमले में सियासत के प्रति इतना अनुराग क्यों बढ़ रहा है? ये जनसेवा से प्रेरित फैसले हैं या लोभ-क्षोभ की परिणति? यदि उन्हें राजनीति में इतनी ही दिलचस्पी थी, तो प्रशासन में इतने वर्ष खर्च क्यों किए? सनद रहे, संविधान-निर्माताओं ने विधायिका और कार्यपालिका से अलग-अलग अपेक्षाएं बांधी हैं। वैसे, यह कोई पहली बार नहीं है कि प्रशासनिक क्षेत्र के लोग सीधे राजनीति में कूद पड़े हैं, आजादी के वक्त से ही विभिन्न क्षेत्रों के लोग सरकार का हिस्सा बनते रहे हैं, और देश-समाज को इसका लाभ भी मिला है। मगर वे अपने-अपने क्षेत्र के माहिर लोग होते थे और उन्हें किसी बड़े राजनेता का करीबी होने मात्र का लाभ नहीं मिल जाता था। उनकी काबिलियत ने सरकारों को बाध्य किया कि वे उनसे साथ आने का आग्रह करें। फिर ऐसे उदाहरण विरले ही कायम भी होते थे। मगर पिछले कुछ दशकों में सत्ताधीशों और नौकरशाहों के गठजोड़ ने न सिर्फ राजनीति को विद्रूप किया है, बल्कि शासन-प्रशासन में भ्रष्टाचार की जड़ें इसके कारण गहरी हुई हैं। खासकर पिछले दरवाजे से सत्ता में पहुंचने की सहूलियत ने इस दुरभिसंधि को मजबूत किया है। ऐसे में, निशा ने जो रास्ता अख्तियार किया है, उसे औचित्यपूर्ण ठहराया जा सकता है, क्योंकि उन्होंने जनता के बीच जाकर सत्ता-सदन में प्रवेश का मार्ग चुना। फिर भी यह सवाल पूछा ही जाएगा कि क्या वर्षों से जनसेवा में जुटे स्थानीय कार्यकर्ताओं पर नौकरशाहों की वरीयता लोकतंत्र की मूल भावना के अनुरूप है? निस्संदेह, हमारा संविधान तय मानदंडों के तहत अपने हरेक नागरिक को अवसर की स्वतंत्रता देता है, और इस लिहाज से अफसरों के राजनीति में आने में कुछ गलत नहीं है, मगर इन दिनों जिस तरह नौकरशाहों में कृपापात्र बनने और पुरस्कृत होने की प्रवृत्ति गहराती जा रही है, उसमें पांडियन जैसी तरक्की दीगर महत्वाकांक्षी अफसरों को सत्ताधीशों से सांठ-गांठ के लिए प्रेरित करेगी। यह कोई छिपी हुई बात नहीं है कि देश की प्रशासनिक संस्थाएं किस कदर साख के संकट से जूझ रही हैं? उनके बारे में राजनीतिक आकाओं के इशारे पर काम करने की धारणा ठोस होने लगी है। यह न तो देश के हित में है और न लोकतंत्र के।

आज का राशीफल

मेष व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

अपराध और राजनीति की रिश्तेदारी नकारें

विश्वनाथ सचदेव

पांच राज्यों के चुनाव का बुखार चढ़ने लगा है। उम्मीदवार, राजनीतिक दल और चुनावी कार्यकर्ता सबने कमर कस ली है। चुनाव संबंधी खबरें मीडिया की सुर्खियां बन रही हैं। इन्हीं खबरों में से एक है 'एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स' (एडीआर) द्वारा मध्य प्रदेश के बारे में जारी की गई एक जानकारी। यह जानकारी राज्य के उन विधायकों के बारे में है जो अपने आपराधिक रिकार्ड के बावजूद पिछले पांच साल से राज्य के विधानसभा में बैठकर राज्य के भावी विकास की योजनाएं बनाते रहे हैं। 'एडीआर' के मुताबिक राज्य के 230 मौजूदा विधायकों में से 93 के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं और इनमें ऐसे विधायक भी हैं जिन पर हत्या और हत्या के प्रयास जैसे गंभीर आरोप लगे हैं। आरोपी तब तक सज़ा का भागीदार नहीं होता जब तक अदालत में अपराध प्रामाणित न हो जाये। लेकिन सवाल यह उठता है कि वह क्या मजबूरी होती है जिसके चलते राजनीतिक दलों को ऐसे लोगों को चुनाव के लिए टिकट देना पड़ता है, जिन्हें अपने हलफनामे में अपने पर लगे आरोपों की पूरी जानकारी देनी होती है। एडीआर द्वारा मध्य प्रदेश के लिए जारी की गई इस रिपोर्ट के अनुसार दागी राजनेता लगभग सभी दलों में पाये जा सकते हैं। उदाहरण के लिए आरोपी 93 विधायकों में से 39 भाजपा के हैं, 52 कांग्रेस के, एक बसपा का और एक निर्दलीय। राज्य में मुख्य मुकाबला भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के बीच है। इस बार कितने दागी उम्मीदवार होंगे, यह तो उम्मीदवारों की पूरी सूची जारी होने और उनके हलफनामे के बाद ही पता चलेगा, पर यह तो स्पष्ट है कि हमारी राजनीति और अपराध के रिश्ते बहुत मजबूत हैं। इस संदर्भ में मध्य प्रदेश और देश के बाकी राज्यों में कोई विशेष अंतर नहीं है। और यह भी सच है कि यह रिश्ता विधानसभाओं तक सीमित नहीं है। संसद तक पहुंची हुई है यह बीमारी। बहुत पुरानी बात नहीं है जब सिंगापुर के राष्ट्रपति ने भारत की संसद में आपराधिक प्रवृत्ति के राजनेताओं की बढ़ती संख्या का हवाला देकर जनतंत्र के कमज़ोर होने की बात कही थी। अच्छा नहीं लगा था किसी बाहरी व्यक्ति द्वारा हमारे देश के बारे में इस तरह की बात करना और हमारी सरकार ने यह बात सिंगापुर के राष्ट्रपति तक पहुंचा भी दी थी। पर इससे यह हकीकत तो नहीं बदलती कि हमारी राजनीति पर आपराधिक तत्व और प्रवृत्तियां हावी होती जा रही हैं। हम इस बात पर गर्व कर सकते हैं कि हमारा भारत दुनिया का सबसे पुराना गणतंत्र है और आबादी के लिहाज से दुनिया का सबसे बड़ा जनतंत्र भी, पर भारतीय राजनीति पर आपराधिक प्रवृत्तियों का साया हमारे लिए चिंता की बात होनी चाहिए। चिंता की बात यह भी है कि हमारे राजनेताओं के साथ जिन अपराधों को जोड़ा जा रहा है वह सिर्फ 'व्हाइट कॉलर' अपराध ही नहीं है, हत्या, अपहरण, आगजनी, बलात्कार जैसे आरोप भी लगते रहे हैं। यह बात भी अपने आप में कम चौंकाने वाली नहीं है कि इन सारे आरोपों के बावजूद मतदाता ऐसे दागी नेताओं को चुनता है! ऐसे लोगों को उम्मीदवार बनाये जाने और उनके चुने जाने के आंकड़े भी कम चौंकाने वाले नहीं हैं। सन् 2004 के बाद हर चुनाव में आपराधिक तत्वों की हमारी राजनीति में सक्रियता और भागीदारी बढ़ी ही है। वर्ष 2014 के चुनाव में हमारे 24 प्रतिशत निर्वाचित प्रतिनिधियों पर आपराधिक मामले चल रहे थे, 2019 में यह प्रतिशत बढ़कर 43 हो गया। फरवरी, 2023 में अदालत में एक याचिका दायर की गयी थी, जिसमें कहा गया था कि 2009 से अब तक घोषित आपराधिक मामलों वाले सांसदों की संख्या में 44 प्रतिशत की वृद्धि हो गयी थी। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में 159 सांसदों ने अपने खिलाफ गंभीर आरोपों की जानकारी दी थी। इन गंभीर आरोपों में बलात्कार, हत्या, हत्या का प्रयास, अपहरण और महिलाओं के विरुद्ध अपराध शामिल हैं। मतदाता को भी उन्हीं उम्मीदवारों में से चुनाव करना होता है जो उनके समक्ष प्रस्तुत किये जाते हैं। सवाल यह उठता है कि राजनीतिक दल ऐसे दागी उम्मीदवारों को चुनाव में उतारते क्यों हैं? इसका सीधा-सा जवाब है, राजनीतिक दलों की नज़र सिर्फ चुनाव जीतने पर होती है। जीतने के लिए जो कुछ ज़रूरी है वह सब करने को तैयार हैं हमारे राजनेता, हमारे राजनीतिक दल! हमारी जनतांत्रिक व्यवस्था के 75 सालों का लेखा-जोखा इस बात का साक्षी है कि चुनावों में जीत को ही सर्वोपरि मान लिया गया है। यह बात भी स्पष्ट है कि इस जीत में धन-बल और बाहुबल की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। बाहुबल का सीधा रिश्ता अपराधों से है और धन बल का तमाशा भी हम लगातार देखते आ रहे हैं। यह अनायास ही नहीं है कि चुनावों में जीतने वाले हमारे राजनेताओं में एक बड़ी संख्या करोड़पतियों की होती है। अभी कुछ दिन पहले ही तेलंगाना में 100 करोड़ रुपये से अधिक राशि सुरक्षा एजेंसियों ने बरामद की थी। साथ ही 145 करोड़ का सोना और अन्य सामान भी जब्त किया गया। इसी 9 अक्तूबर से 21 अक्तूबर के बीच 300 करोड़ रुपये से अधिक की बरामदगी हुई। बताया जा रहा है कि यह राशि मतदाताओं में बांटे जाने के लिए थी। यह ताज़ा आंकड़े हैं, वरना यह छिपी हुई बात नहीं है कि हर चुनाव में करोड़ों रुपये रिश्वत के रूप में मतदाताओं में बांटे जाते हैं। यही कारण है कि विधानसभाओं और लोकसभा तक में करोड़ों नहीं अरबोंपतियों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। यह वोट खरीदू राजनीति और बाहुबल के सहारे वाली राजनीति आपराधिक तत्वों से गठजोड़ नहीं करेगी तो आश्चर्य होगा। अपराध और राजनीति के बीच का गहरा रिश्ता सिर्फ हमारे देश तक ही सीमित नहीं है। लेकिन इस स्थिति को स्वीकार कर लिये जाने की जो मानसिकता देश में लगातार पनप रही है, और स्वीकार्यता पा रही है, वह निश्चित रूप से गंभीर चिंता की बात होनी चाहिए। इस बात पर भी गौर किया जाना ज़रूरी है कि देशभर में आज अनेक ऐसे राजनेता हैं जिन्हें अदालत ने अपराधी घोषित भी कर दिया है, कुछ सज़ा भुगत चुके हैं, कुछ सज़ा भुगत रहे हैं। इसके बावजूद वह बड़ी बेशर्मी से स्वयं को नेता कह-कहलवा रहे हैं! ऐसे राजनेता तो हमारी जनतांत्रिक व्यवस्था के अपराधी हैं ही, कहीं न कहीं हम मतदाता भी अपराध के भागीदार हैं। सच कहें तो मतदाता का अपराध दुगना है- पहले तो वह ऐसे आरोपियों-अपराधियों को चुनता है, और दूसरे उनके अपराध घोषित हो जाने के बावजूद उन्हें नेता कहता-मानता है। अपराध और राजनीति की यह रिश्तेदारी जनतांत्रिक मूल्यों और परंपराओं को अस्वीकार करती है। स्वतंत्र देश के जागरूक मतदाता का यह दायित्व बनता है कि वह इस रिश्तेदारी को नकारे। और कुछ नहीं तो मतदाता इतना तो कर ही सकता है कि वह जब मतदान का बटन दबाये तो इतना ध्यान रखे कि एक बटन 'इनमें से कोई नहीं' अर्थात् 'नोटा' का भी है। यह बटन दबाने का मतलब राजनेताओं और राजनीतिक दलों को यह बताना है कि वे मतदाता को हल्के में नहीं ले सकते। अपराध और राजनीति का यह अपवित्र गठबंधन हमारे जनतंत्र को भीतर ही भीतर खोखला बना रहा है। जनतंत्र को बचाना ज़रूरी है, और यह कार्य राजनीति करने वाले नहीं, जागरूक नागरिक ही कर सकते हैं।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

हर समस्या का समाधान है, बुजुर्गों के पास

(लेखक- डॉ राघवेंद्र शर्मा)

आत्महत्या। एक डरावना, वीभत्स और घोर निराशा की पाराशकाष्ठाओं को तोड़ते हुए घटाघोप अंधकार में जीवन को मृत्यु में परिवर्तित कर देने वाला शब्द। इससे भी बढ़कर एक चिंतनीय शब्द, जो समाज के संवेदनशील व्यक्तियों को अब पहले की अपेक्षा ज्यादा, और ज्यादा विचलित करने लगा है। इसके पीछे का कारण यह है कि जैसे-जैसे दुनिया विकसित और आधुनिक हो रही है, आत्महत्या के मामले बढ़ते जा रहे हैं। यह कह पाना मुश्किल है कि आत्महत्या का शिकार किस उम्र अथवा वर्ग के लोग ज्यादा बन रहे हैं। वास्तविकता तो यह है कि अब कोई उम्र और वर्ग ऐसा बचा ही नहीं जो आत्महत्या के दंश से अछूता हो। बच्चे, किशोर, युवा अधेड़ और बुजुर्ग, हर उम्र के लोग मानो आत्महत्या के पथ पर चल पढ़ने को विवश दिखाई देते हैं। वर्ग की दृष्टि से देखें तो क्या गरीब, क्या अमीर और क्या मध्यम वर्गीय, हर श्रेणी के लोगों का नाम आत्महत्या से मरने वालों की सूची में दर्ज होता दिखाई देता है। एक प्रकार से आत्महत्या एक व्यापक और विनाशकारी महामारी का रूप अख्तियार करती जा रही है। इसके भयावह स्वरूप को इस बात से समझा जा सकता है कि अब साल की प्रत्येक 10 सितंबर को आत्महत्या विरोधी, निरोधी, रोकथाम आदि के नाम से एक दिवस निर्धारित किया जा चुका है। जिसके माध्यम से इन चिंताओं को आम लोगों के बीच जाहिर किया जाता है और उन विकल्पों की खोज होती है, जिनके माध्यम से लगातार संक्रामक रोग की तरह समाज में फैल रहे आत्महत्या के चलन को खत्म ना सही काम से कम अकुंशित तो किया ही जा सके। इन विचार विमर्शों में सबसे प्रमुख विषय होता है आत्महत्या क्यों अंतिम विकल्प के रूप में सामने आ खड़ी होती है। इसके कारण क्या हैं तथा इससे कैसे बचाव किया जा सकता है। इन कवायदों में सबसे पहले बुजुर्गों का नाम सामने आता है। महसूस किया जाता है कि यही एक ऐसा वर्ग है जो बहुत जल्दी जिंदगी के सामने हथियार डालने हेतु विवस होता है और अंततः आत्महत्या को सारी समस्याओं का निराकरण मानकर उसे अपनाने का बेहद निष्ठुर निर्णय कर बैठता है। ऐसा क्यों होता है? आईए पहले इस पर विचार करते हैं। बुजुर्गियात दरअसल वह अवस्था है जब व्यक्ति अपने अधिपत्यों से निराश्रित होता हुआ पराभव और पराश्रित अवस्था की ओर अग्रसर होने लगता है। युवावस्था से अपने सामर्थ्य को साबित करता हुआ, अधेड़ अवस्था आते-आते व्यक्ति समाज और परिवार में एक मुखिया की भूमिका अपने लिए स्थापित कर चुका होता है अथवा आसपास का परिवेश उसे यह सम्मान स्वेच्छा से प्रदान कर चुका होता है। इसके बाद जब व्यक्ति का शरीर और हौसला थकने लगता है, तब तक वह स्थान और सम्मान भी हाथ से खिसकना शुरू हो जाता है जो उसने अपने पुरुषार्थ से कमाया होता है। उदाहरण के लिए- 60 और 70 साल की अवस्था पार करते-करते व्यक्ति अपने धंधे, रोजगार अथवा नौकरी से निवृत्ति की ओर बढ़ने लगता है। फल स्वरुप धन, संपदा और उनके साथ अधिकार भी व्यक्ति के हाथ से खिसकने शुरू हो जाते हैं। एक अवस्था ऐसी भी आती है जब बुजुर्गियत अपने को व्यक्ति के अस्तित्व पर पूरी तरह स्थापित कर चुकी होती है। सामाजिक अथवा पारिवारिक कार्यों के लिए उससे ली जाने वाली राय भी अब जरूरी चीज नहीं समझी जाती। तब व्यक्ति अवसाद ग्रस्त होकर अवसान की ओर अग्रसर हो पड़ता है। क्योंकि वह यह सहन ही नहीं कर पाता कि कल तक वह जिकी जरूरत हुआ करता था अब उसे खुद उन्ही परिजनों स्वजनों पर आश्रित होना पड़ रहा है। ऐसे में जब नई पीढ़ी की ओर से सकारात्मक सहयोग और अपनापन नहीं मिलता तब व्यक्ति शनै- शनै- ही सही, निराशा की चपेट में आने लगता है। तब बुजुर्ग हो चुके व्यक्ति को यह एहसास होने लगता है कि वह अपनी समस्त जिम्मेदारियां से निवृत हो चुका है। अब परिवार समाज को उसकी आवश्यकता नहीं है। उसके जीवित रहने अथवा मृत्यु को प्राप्त हो जाने से किसी को कोई फर्क नहीं पड़ता। बस यही वह अवस्था है जब व्यक्ति प्राकृतिक मृत्यु की प्रतीक्षा को छोड़कर आत्महत्या जैसे घातक निर्णय को अंगीकार कर लेता है। यह तब और ज्यादा होता है, जब बुजुर्ग हो चुके दंपति में से कोई एक अपने साथी का असमय साथ छोड़कर प्राकृतिक अथवा अप्राकृतिक मृत्यु को प्राप्त हो जाता है। क्योंकि वृद्धावस्था में एक पति पत्नी का रिश्ता ही ऐसा होता है जो हम उम्र होने की वजह से स्वाभाविक रूप से अथवा परिस्थिति बश साथ बना रहता है। जब यह जोड़ी टूटती है तो फिर जो बचा है वह अकेला होता है, भीड़ में अकेला। बस यही वह स्थिति है जो घातक तो है, किंतु टाली भी जा सकती है। बुजुर्गों के साथ अच्छे, सद्भाव पूर्ण और अपनेपन के व्यवहार से उक्त विषमता को हराया जा सकता है। यदि आत्महत्या जैसी विषम परिस्थितियों का समूल नाश करना है तो हम सबको बुजुर्गों का अकेलापन खत्म करना होगा। हमें उनकी सदैव आवश्यकता है, यह भाव बनाए रखना होगा। वह अभी भी हमारे मुखिया हैं, यह एहसास सर्वोत्तम साधन है आत्महत्या को अपने बुजुर्गों से दूर बनाए रखने का। यदि इन छोटी-छोटी एहतियातों से हम अपने सिर पर बुजुर्गों की स्नेहिल और संरक्षण स्वरूप छत को लंबे समय तक सुरक्षित बनाए रखने में सफल हो सकते हैं तो फिर इन्हें क्यों नहीं आजमाया जाना चाहिए!

विचार मंथन

मंदिरों से करोड़ों की कमाई आम आदमी के काम नहीं आई

(लेखक - सनत जैन)

भारत के मंदिरों में इन दिनों बड़ी कमाई हो रही है। दक्षिण भारत के तीन मंदिर जिम तिरुमला, वेंकटेश्वर मंदिर आंध्र प्रदेश सबसे ज्यादा कमाई करने वाला मंदिर है। उसके बाद सबरी माला अय्यप्पा मंदिर तिरुवनंतपुरम, महाकाल मंदिर उज्जैन, वैष्णो देवी और अन्य मंदिरों में हर साल करोड़ों, अरबों रुपए का चढ़ावा भक्तों द्वारा चढ़ाया जाता है। करोड़ों रुपए के सोने-चांदी के भंडार इन मंदिरों में हैं। हर साल बड़े पैमाने पर भक्त चढ़ावा चढ़ाते हैं। इस धन का उपयोग आम जनता के दुख-दर्द को दूर करने में होगा तो धर्म के प्रति लोगों की आस्था और भी बढ़ेगी, लेकिन भगवान के नाम पर आस्थाओं को कमाई का साधन बनाकर चंद लोग ही उस पैसे का उपयोग करते हैं। जबकि भगवान के चढ़ावे का सबसे ज्यादा उपयोग गरीबों और जरूरतमंदों के लिए होना चाहिए, जो नहीं हो रहा है। तिरुमला के वेंकटेश्वर मंदिर में हर साल अरबों रुपए का चढ़ावा चढ़ाया जाता है। यह चढ़ावा पिछले कई दशकों से मंदिर में आ रहा है। मंदिर ट्रस्ट को आम जनता के लिए इस धन का उपयोग जिस तरह से किया जाना था वह नहीं किया जा रहा है। करोड़ों रुपए बैंकों में जमा हैं और अरबों रुपए का सोना जमा है और भगवान वेंकटेश्वर के भक्त अपने दिन कठिनाइयों में गुजार रहे हैं। तिरुमला मंदिर ट्रस्ट वर्तमान में एक मेडिकल कॉलेज, तीन अस्पताल और पांच डिस्पेंसरी का संचालन कर रहा है। ट्रस्ट के द्वारा 12 कॉलेज और 13 स्कूलों का भी संचालन किया जा रहा है। तिरुपति मंदिर में जितना चढ़ावा हर साल आता है उसका 10 फ़ीसदी भी ट्रस्ट द्वारा खर्च नहीं किया जाता है। यह पैसा बैंकों में और खजाने में जमा रहता है। पिछले कुछ वर्षों में मध्य प्रदेश के उज्जैन महाकाल मंदिर की आय भी तेजी से बढ़ी है। इस मंदिर को 129 करोड़ रुपए का दान पिछले साल मिला है।

हर साल करोड़ों रुपए का दान महाकाल मंदिर को मिलता रहा है। महाकाल मंदिर द्वारा 115 बच्चों का वैदिक शिक्षा का स्कूल चलाया जा रहा है। एक अस्पताल चल रहा है, जो भक्तों के सतही इलाज के काम आता है। लगभग 1000 श्रद्धालुओं के निःशुल्क भोजन की व्यवस्था भी ट्रस्ट द्वारा करने की बात कही जाती है। मात्र 150 गाय वाली गौशाला भी संचालित की जा रही है।

पिछले 10 वर्षों में जब से केंद्र में नरेंद्र मोदी की सरकार है तभी से धार्मिक पर्यटन को लेकर सभी हिंदू तीर्थ स्थलों का विकास किया जा रहा है। पिछले एक दशक में तीर्थ स्थलों की आय कई गुना बढ़ गई है। देसी और विदेशी पर्यटकों की संख्या भी बड़ी तेजी के साथ बढ़ी है। भगवान के दर्शन के लिए शुल्क लगाए जा रहे हैं और तरह-तरह से पैसा वसूल किया जा रहा है। धार्मिक पर्यटन और धर्मस्थल अब कमाई का सबसे बड़ा स्थान बन गया है। धार्मिक स्थलों पर आस्था के नाम पर करोड़ों रुपए की कमाई हो रही है। यहां विभिन्न पदों पर बैठे हुए लोग इस धन का हर तरीके से दुरुपयोग करते हैं, जो भक्त अपनी आस्था और विश्वास को लेकर भगवान तक पहुंचाते हैं।

उन्हें लगता है कि भगवान के दर्शन करने के बाद उनकी परेशानियां दूर होंगी। उनके परिवार में सुख-शांति आएगी। वह निरोगी होंगे, लेकिन आस्था के नाम पर करोड़ों, अरबों रुपए की कमाई तो धार्मिक स्थलों द्वारा की जा रही है जिन करोड़ों भक्तों से अरबों रुपए की कमाई हो रही है उन्हीं भक्तों की तरफ ध्यान इन धार्मिक स्थलों द्वारा नहीं दिया जा रहा है।

इस कारण अब लोगों में कहीं ना कहीं यह बात चर्चा में आने लगी है कि सनातन धर्म में दान के अपने मायने हैं। जो धार्मिक ट्रस्ट हैं, उन्हें समाज व आमजन के लिए आर्थिक, सामाजिक एवं शैक्षणिक बदलाव के लिए बढ़-चढ़कर काम करना चाहिए। भक्तों द्वारा चढ़ाए गए धन का सदुपयोग हो इस बात की चिंता यदि ट्रस्ट करने लगेंगे तो आम आदमी की आस्था और विश्वास धर्म के प्रति और बढ़ेगी। समाज नैतिक रूप से आगे बढ़ेगा।

धार्मिक पर्यटन के नाम पर धार्मिक स्थलों का व्यवसायीकरण शुरू हो गया है। ऐसी स्थिति में उनकी आय का सदुपयोग सामाजिक कार्यों के लिए हो, इसके लिए व्यवस्था और नियम कानून बनाए जाने की जरूरत महसूस होने लगी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महंगाई के आंसू रुलाने वाली है प्याज,एशिया की सबसे बड़ी मंडी ने दिए संकेत

मुंबई।

महाराष्ट्र का नो सिक जिला प्याज के लिए पूरे एशिया में विख्यात है। इसकी वजह ये है कि यहां देश में सबसे ज्यादा प्याज का उत्पादन होता है और इसी जिले के लासलगांव में सबसे बड़ी मंडी है। ऐसा भी माना जाता है कि इसी मंडी से प्याज के भाव तय होते हैं, जिसका प्रभाव देश के कौने कौने में पड़ता है। हाल ही में लासलगांव की प्याज मंडी में जिस भाव पर प्याज बिकी है वो आने वाले समय में प्याज के दाम बढ़ाने का संकेत दे रही है। महाराष्ट्र कांदा उत्पादक संगठन के अनुसार विंचूर मंडी में न्यूनतम दाम 1500, अधिकतम 4199 और मॉडल प्राइस 3900 रुपये प्रति क्विंटल रहा। राज्य की ज्यादातर मंडियों में प्याज का दाम बढ़ रहा है। महाराष्ट्र देश का सबसे बड़ा प्याज उत्पादक है। कुल प्याज उत्पादन में यह 43 प्रतिशत का योगदान देता है। राज्य में एक साल में किसान तीन बार प्याज की फसल लेते हैं। इसलिए यहां पर फसल ज्यादा और कम होने का बाजार पर असर पड़ता है। इस साल राज्य में खरीफ सीजन की फसल की आवक अभी लेट है। दूसरी ओर रबी सीजन के प्याज काफी खराब हो गया है। बुवाई कम हुई है, इसलिए दाम ज्यादा है।

लॉफबरो यूनिवर्सिटी ने अपने बिजनेस स्कूल का नाम बदला, भारत को बताया 'एक बड़ा फोकस बाजार'

नई दिल्ली। ब्रिटेन स्थित लॉफबरो यूनिवर्सिटी ने अपने बिजनेस स्कूल की रीब्रांडिंग की घोषणा की है। इसका उद्देश्य लोगों और संगठनों के लिए पहली पसंद वाला बिजनेस स्कूल बनना है। एक प्रमुख ब्रांडिंग बदलाव के हिस्से के रूप में विश्वविद्यालय ने अपनेस्कूल ऑफ बिजनेस एंड इकोनॉमिक्स का नाम बदलकर 'लॉफबरोबिजनेस स्कूल' कर दिया। अपने खेल शिक्षण और छात्र अनुभव के लिएविश्व स्तर पर प्रसिद्ध विश्वविद्यालय 2023 सीजन में भारत के ओलंपिकचैंपियन नीरज चोपड़ा के लिए प्रशिक्षण मैदान भी था। आईएएनएस के साथ एक विशेष बातचीत में लॉफबरो यूनिवर्सिटी मेंमार्केटिंग एंड एडवांसमेंट की एसोसिएट डायरेक्टर सारा बोस्टॉक ने कहाकि संस्थान ने 2023 में 700 से अधिक भारतीय छात्रों को नामांकितकिया, जिससे वर्तमान में इसके परिसर में लगभग 900 भारतीय छात्रहैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय उद्देश्य के साथ प्रगति के दृष्टिकोण केअनुरूप भारत को रणनीतिक प्राथमिकता वाले देश के रूप में पहचानताहै।हमारे दृष्टिकोण 'उद्देश्य के साथ प्रगति' के हिस्से के रूप में, हम खुदको उद्देश्य-आधारित लोगों और संगठनों के लिए पहली पसंद वाले बिजनेसस्कूल के रूप में देखते हैं। लॉफबरो में हमारा मिशन हमारे सीखने केमाहौल को नया आकार देना और छात्रों को नए अनुभव प्रदान करनाशामिल है। इस रीब्रांडिंग से हमें विश्व स्तर पर अपनी प्रोफाइल औरप्रतिष्ठा बढ़ाने में मदद मिलेगी। साथ ही व्यावसायिक साझेदारी केमाध्यम से अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए और अधिक रास्ते खुलेंगे। बोस्टॉक ने कहा, भारत में लॉफबरो के कई प्रतिष्ठित शिक्षा संस्थानों केसाथ अच्छे संबंध हैं, जिनमें बॉम्बे, दिल्ली, रूड़की और मद्रास के भारतीयप्रौद्योगिकी संस्थान और अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई औरसिम्बायोसिस इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी जैसे संस्थानों के साथ उभरते संबंधशामिल हैं। भारत के साथ हमारे लंबे समय से संबंध हैं। भारत से हमारापहला छात्र 1937 में स्नातक हुआ था। हम छात्रों को करियर मार्गदर्शन,पूर्व छात्रों की सलाह और कार्य-आधारित सीखने के अवसर प्रदान करकेभारत में अपनी मौजूदा साझेदारी को मजबूत करना जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि भारत के लिए अपनी रणनीति को और बढ़ाने के लिएउन्होंने अपने वरिष्ठ शैक्षणिक समुदाय, प्रोफेसर बाला वैद्यनाथन और डॉ.कीर्ति रुइकर में से दो विशेष क्षेत्रीय दूत नियुक्त किए हैं। भारत वर्तमानमें हमारा दूसरा सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय और स्नातकोत्तर छात्रोंके लिए सबसे बड़ा समूह है। हम भावी छात्रों और भागीदारों के लिएत्वरित शिक्षण और व्यावसायिक विकास के अवसर प्रदान करने का प्रयासकरेंगे। विचारशील नेताओं और नवप्रवर्तकों के रूप में हम शिक्षार्थियों कोभविष्य के नैतिक, टिकाऊ और तकनीकी रूप से उन्नत व्यवसाय बनानेमें सक्षम बनाना चाहते हैं।

निफ्टी की एक्सपायरी से इस हफ्ते बढ़ सकती है अस्थिरता

नई दिल्ली।

निफ्टी में इस सप्ताह बहुप्रतीक्षित सुधार हुआ है और इसमें लगभग 3 फीसदी की गिरावट आई है। यह बात एमके ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज के बिजनेस डेवलपमेंट, इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज के प्रमुख जयकृष्ण गांधी ने कही। उन्होंने कहा, स्मॉल और मिड कैप क्षेत्र में बिकवाली और भी अधिक क्रूर थी, क्योंकि खुदरा निवेशक कमजोर कमाई और प्रबंधन की ओर से कोई स्पष्ट सकारात्मक टिप्पणी नहीं होने के कारण अंततः हार मान रहे थे। बाजार में बिकवाली यूएस 10 वर्ष के 5 प्रतिशत अंक तक पहुंचने से शुरू हुई, जिसने इस क्षेत्र में जोखिम के स्तर को भौतिक रूप से कम कर दिया। उन्होंने कहा, निफ्टी की इस सप्ताह समाप्ति होगी जो आगे अस्थिरता बढ़ा सकती है, हम देखते हैं कि बैंक निफ्टी 42,200 के स्तर पर समर्थन के साथ 43 हजार स्तर के नीचे उच्चतम जोखिम पर है, जो बदले में बाजार को 19 हजार से नीचे 18,800 के मजबूत समर्थन स्तर तक खींच सकता है। . जयकृष्ण ने कहा कि सभी की निगाहें यूएस 10 वर्ष, भू-राजनीतिक अनिश्चितता के साथ-साथ आने वाले सप्ताह के लिए दिशा जानने के लिए एफओएमसी टिप्पणी पर होंगी। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि निवेशकों की धारणा मजबूत है, क्योंकि पश्चिम एशिया में तनाव लगातार बाजार को प्रभावित कर रहा है। तेल की कीमतों में गिरावट और दूसरी तिमाही के नतीजों के बारे में आशावादी दृष्टिकोण के

बावजूद निवेशकों ने इस उम्मीद के कारण सतर्क रुख अपनाया कि उच्च ब्याज दर परिदृश्य के कारण भविष्य में विकास धीमा रहेगा। उन्होंने कहा, बढ़ती भू-राजनीतिक चिंताओं और मिड-कैप और स्मॉल-कैप शेयरों में मूल्यांकन संबंधी चिंताओं के बीच लार्ज-कैप शेयरों पर एक सकारात्मक रणनीति स्पष्ट है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। घरेल बाजार में बुधवार को रुपया तीन पैसे की गिरावट के साथ ही 83.17 पर बंद हुआ। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले तीन पैसे की गिरावट के बाद 83.16 पर आ गया। विदेशी बाजारों में अमेरिकी डॉलर की मजबूत स्थिति और विदेशी कोष की सतत निकासी से भी रुपये पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। वहीं विदेशी मुद्रा कोरोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की कीमतों में सुधार और शुरुआती कारोबार में घरेलू शेयर बाजारों में मजबूती से रुपये की गिरावट सीमित रही। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.15 पर खुला, जो पिछले बंद स्तर से तीन पैसे की गिरावट है। सोमवार को रुपया 83.14 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। वहीं दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.12 फीसदी की बढ़त के साथ ही 107.30 पर रहा।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में नहीं हुआ अधिक बदलाव

नई दिल्ली । अंतराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल (क्रूड) की कीमतों में आयी गिरावट के बाद भी देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई खास बदलाव नहीं आया है। चारों महानगरों में पेट्रोल और डीजल की कीमतें पहले की ही तरह है। दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर में बिक रहा है जबकि एक लीटर डीजल की कीमत 89.62 रुपये रुपये प्रति लीटर है। नई दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये लीटर जबकि मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये, डीजल 94.27 रुपये लीटर वहीं कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये, डीजल 92.76 रुपये लीटर, चेन्नई- पेट्रोल 102.66 रुपये, डीजल 94.26 रुपये लीटर पर है। वहीं प्रयागराज में पेट्रोल के दाम घटे हैं और ये 66 पैसे सस्ता होकर 96.66 रुपये और डीजल 65 पैसे सस्ता होकर 89.86 रुपये लीटर मिल रहा है। अमृतसर में पेट्रोल के दाम 27 पैसे कम आकर 98.47 रुपये, डीजल 25 पैसे सस्ता होकर 88.79 रुपये लीटर मिल रहा है। वहीं नोएडा में पेट्रोल 6 पैसे महंगा होकर 96.65 रुपये, डीजल 6 पैसे महंगा होकर 89.82 रुपये लीटर मिल रहा है। गुरुग्राम में पेट्रोल 28 पैसे सस्ता होकर 96.71 रुपये, डीजल 27 पैसे सस्ता होकर 89.59 रुपये लीटर मिल रहा है।

शेयर बाजार भारी गिरावट पर बंद , निवेशकों के 2.03 लाख करोड़ डूबे

सेंसेक्स 522 , निफ्टी भी 159 अंक टूटा

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को जबरदस्त गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। आज कारोबार के दौरान व्यापक बाजारों में बीएसई मिडकैप इंडेक्स 0.52 फीसदी और बीएसई स्मॉलकैप 0.77 फीसदी नीचे आया। वहीं दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक बीएसई सेंसेक्स 522.82 अंक करीब 0.81 फीसदी की गिरावट के साथ ही 64,049.06 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 64,787.08 तक ऊपर जाने के बाद 63,912.16 तक नीचे आया। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 159.60 अंक तकरीबन 0.83 फीसदी टूटकर बंद हुआ। निफ्टी अंत में फिसलकर 19,122.15 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 19,347.30 तक ऊपर जाने के बाद 19,074.15 तक गिरा। आज निवेशकों को भारी घाटा हुआ। इससे पहले के करोबारी दिन सोमवार को बाजार पूंजीकरण मार्केट कैप 311.31 लाख करोड़ रुपये था जो आज गिरकर 309.28 लाख करोड़ रुपये रह गया। इस प्रकार निवेशकों को एक ही दिन में करीब 2.03 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। आज के कारोबार में सेंसेक्स के शेयरों में से केवल 5 शेयर ही लाभ के साथ ऊपर आये। टाटा स्टील, एसबीआई, एमएंडएम, मारुति और नेस्ले इंडिया सेंसेक्स के सबसे अधिक लाभ वाले पांच शेयर रहे। सबसे ज्यादा लाभ टाटा स्टील के शेयरों को हुआ। इसके शेयर 1.33 फीसदी बढ़े हैं। वहीं दूसरी ओर 25 शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये हैं। इंफोसिस, भारती एयरटेल, एनटीपीसीसी, इंडसइंड बैंक और बजाज फाइनैंस सेंसेक्स के सबसे अधिक लाभ वाले पांच शेयर रहे। सबसे ज्यादा नुकसान इंफोसिस के शेयरों को हुआ। इसके

शेयर 2.76 फीसदी नीचे आये हैं। इससे पहले आज सुबह बाजार बुधवार को बढ़त के साथ खुला। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी से आयी। तीस शेयरों वाला बीएसई मानक सूचकांक सेंसेक्स 193.64 अंक ऊपर आकर खुला। बाजार की इस तेजी पर कुछ समय बाद ही अंकुश भी लग गया। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी ऊपर आया। निफ्टी 51.35 अंक बढ़कर 19,333.10 पर कारोबार कर रहा था पर समय के साथ ही इसमें भी गिरावट हावी हो गयी।

सैमसंग ने भारत में गैलेक्सी 'स्मार्ट टैग 2' किया लॉन्च

नई दिल्ली।

सैमसंग ने भारत में बिल्कुल नया गैलेक्सी 'स्मार्ट टैग 2' लॉन्च किया है, जो कीमती चीजों पर नजर रखने के नए और बेहतर तरीके सक्षम बनाता है। 2,799 रुपये की कीमत पर, 'स्मार्ट टैग 2' दो कलर्स ब्लैक और व्हाइट में आता है, और सैमसंग ऑनलाइन स्टोर, अमेजन और सैमसंग एक्सक्लूसिव शोरूम पर खरीदने के लिए उपलब्ध है। कंपनी के अनुसार, डिवाइस एक 'लॉस्ट मोड' प्रदान करता है जो मैसेज के जरिए यूजर कॉन्टेक्ट इन्फॉर्मेशन को रिजस्टर्डकरने के लिए डिवाइस के एनएफसी डिस्प्ले का इस्तेमाल करता है। इसके साथ, जो कोई भी गैलेक्सी 'स्मार्ट टैग 2' से जुड़ा आइटम खोजता है, वह टैग को स्कैन करने और मालिकों के मैसेज और कॉन्टेक्ट इन्फॉर्मेशन देखने के लिए अपने स्मार्टफोन का इस्तेमाल कर सकता है। 'स्मार्ट टैग 2' का आयाम 28.8 × 52.44 × 8 मिमी है और इसका वजन सिर्फ 13.75 ग्राम है, जो 120 मीटर की ट्रैकिंग रेंज प्रदान करता है। डिवाइस के टिकाऊपन को पानी और धूल प्रतिरोध के लिए आईपी67 रेटिंग के साथ अपग्रेड किया गया है, जिससे यूजर्स और भी अधिक चुनौतीपूर्ण माहौल में अपने आइटम को ट्रैक कर सकते हैं, जैसे कि बाहर यात्रा करते समय। कंपनी ने कहा कि यह 500 दिनों की बढ़ी हुई बैटरी लाइफ के साथ आता है। यूजर पावर सेविंग मोड के तहत इसकी बैटरी लाइफ को 40 प्रतिशत यानी 700 दिनों तक बढ़ा सकते हैं। गैलेक्सी 'स्मार्ट टैग 2' अब एक बेहतर 'कम्पास व्यू' फीचर प्रदान

करता है जो यूजर के संबंध में डिवाइस की दिशा और दूरी दिखाने के लिए एरो प्रदान करके यूजर एक्सपीरियंस को बढ़ाता है। यह कीमती चीजों को स्थित रखता है और सिंपल क्लिक से अलग-अलग आईओटी डिवाइस को कंट्रोल करने में मदद करता है।

आरबीआई ने निजी बैंकों को बोर्ड में कम से कम दो पूर्णकालिक निदेशक रखने का निर्देश दिया

मुंबई। आरबीआई ने सभी निजी क्षेत्र के बैंकों और विदेशी बैंकों की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनियों को अपने बोर्ड में एमडी और सीईओ सहित कम से कम दो पूर्णकालिक निदेशकों की उपस्थिति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। बुधवार को जारी आरबीआई सर्कुलर में कहा गया है कि पूर्णकालिक निदेशकों (डब्ल्यूटीडी) की संख्या बैंक के बोर्ड द्वारा परिचालन के आकार, व्यावसायिक जटिलता और अन्य प्रासंगिक पहलुओं जैसे कारकों को ध्यान में रखते हुए तय की जाएगी। इन निर्देशों के अनुपालन में जो बैंक इस समय उपरोक्त न्यूनतम जरूरत पूरी नहीं करते हैं, उन्हें सलाह दी जाती है कि वे इस परिपत्र के जारी होने की तारीख से चार महीने की अवधि के भीतर डब्ल्यूटीडी की नियुक्ति के लिए अपने प्रस्ताव जमा करें। वे बैंक, जिनके पास पहले से ही एसोसिएशन के लेखों में डब्ल्यूटीडी की नियुक्ति के संबंध में सक्षम प्रावधान नहीं हैं, वे जल्द ही अनुमोदन प्राप्त कर सकते हैं, ताकि इन निर्देशों के तहत जरूरतों का अनुपालन करने की स्थिति में रहें। परिपत्र में कहा गया है कि इन निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करते समय अन्य लागू वैधानिक/नियामक प्रावधानों के तहत जरूरतों को पूरा करने पर भी सावधानीपूर्वक विचार किया जाएगा।

इजरायल-हमास युद्ध के कारण सोने और चांदी की कीमत को लगे पंख

नई दिल्ली ।

इजरायल-हमास युद्ध ने सोने-चांदी की गिरती कीमतों को न केवल थाम लिया बल्कि इस बूस्ट भी कर दिया। सात अक्टूबर को इजरायल पर हमास ने हमला किया और इसके पहले छह अक्टूबर को भारतीय सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 56539 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी के रेट उस दिन 67095 रुपये प्रति किलो पर था। तब से अबतक सोना 4159 रुपये प्रति 10 ग्राम महंगा होकर 60698 रुपये पर पहुंच गया है। जबकि, चांदी 4999 रुपये प्रति किलो की उड़ान भरकर 72094 रुपये पर पहुंच गया है। बाजार जानकार ने सोने-चांदी के रेट में उछाल की चार वजह बताते हुए कहते हैं कि मीडिल-ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच इंटरनेशनल मार्केट में सोने का भाव 3 महीने के ऊंचे स्तर 1,978 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया है। सोने का यह हाजिर भाव 20 जुलाई 2023 के बाद से सबसे ऊंचा स्तर है। ज्यादातर विश्लेषक मान रहे हैं कि अगले साल दूसरी छमाही से अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेड ब्याज दरों में कटौती शुरू कर सकता है। ये सोने में उछाल की सबसे बड़ी वजह होगी। जानकार बताते हैं कि पहले से जारी रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच इजराइल और हमास के बीच शुरू हुए ताजा सैन्य संघर्ष पूरी दुनिया में अनिश्चितता बढ़ा दी है। दूसरी तरफ दुनिया भर के केंद्रीय बैंक सोने की खरीदारी कर रहे हैं। खास तौर पर चीन का सेंट्रल बैंक सोने की

तगड़ी खरीद कर रहा है। इससे सोने की कीमतों को बड़ा सपोर्ट मिला। अगर हालात इसतरह के रहे बहुत जल्द सोना अपना पिछला ऑल टाइम हाई के स्तर को भी पार कर जाएगा। उन्होंने कहा, मई की शुरुआत में ग्लोबल बैंकिंग संकट और अमेरिका में डेट-सीलिंग को लेकर गतिरोध ने सोने की कीमतों को तगड़ा सपोर्ट किया। 5 मई को सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोने का हाजिर भाव ऑल टाइम हाई 61739 रुपये पर पहुंच गया था। वहीं, चांदी इस दिन 77280 रुपये प्रति किलो थी। अब घरेलू बाजार में दिवाली तक सोने की जोरदार मांग रहेगी। फिर शादियों के सीजन में खूब सोना खरीदा जाएगा।

सेमीकंडक्टर डिज़ाइन कंपनी सिफाइव ने 100 से ज्यादा कर्मचारियों को नौकरी से निकाला

सैन फ्रांसिस्को

फैबलेस सेमीकंडक्टर कंपनी सिफाइव ने कथित तौर पर 100 से अधिक कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। यह संख्या कंपनी के कार्यबल का 20 प्रतिशत से ज्यादा है। यूएस-आधारित कंपनी के कई सत्यापित पेशेवरों ने पेशेवर सामुदायिक मंच ब्लाइंड पर अपनी छंटनी के बारे में लिखा। ऐसे ही एक प्रभावित कर्मचारी ने लिखा, हमें 6 सप्ताह का पैकेज मिल रहा है। एक अन्य प्रभावित कर्मचारी ने पोस्ट किया, उसी नाव में मैं भी सवार हूं। नींबू से अब और रस नहीं निचोड़ सकते। चिप डिज़ाइन कंपनी सिफाइव का लास्ट वेलुएशन सार्वजनिक रूप से मार्च 2022 में 2.5 बिलियन डॉलर था और कंपनी के ग्राहकों में क्यूज़, गूगल और क्वालकॉम शामिल हैं। सिफाइव आईएनसी डॉट एक वित्त पोषित स्टार्टअप है जो आरआईएससी-वी प्रोसेसर विकसित करती है। उसने कथित तौर पर अपने कई कर्मचारियों को निकाल दिया है और अपनी मुख्य उत्पाद लाइन बंद कर दी है। सिफाइव की स्थापना साल 2016 में आरआईएससी-वी इंस्ट्रक्शन सेट आर्किटेक्चर के

आविष्कारकों द्वारा की गई थी। सिलिकॉन एंगल की रिपोर्ट के अनुसार, उन कोर को एआई एप्लिकेशन चलाने और कार सबसिस्टम को पावर देने जैसे कार्यों के लिए अनुकूलित किया गया है। कंपनी ने ओपनफाइव नामक एक व्यावसायिक इकाई भी संचालित की, जिसने चिपलेट्स को एक साथ जोड़ने और प्रोसेसर में यूएसबी समर्थन जोड़ने के लिए तकनीक विकसित की। रिपोर्ट के अनुसार, पिछली मई में सिफाइव ने यूनिट को साथी चिप निर्माता अल्फावेव आईपी ग्रुप पीएलसी को 210 मिलियन डॉलर में बेच दिया था। माना जाता है कि पुनर्गठन पहल के हिस्से के रूप में, कंपनी ने पूर्व-डिज़ाइन किए गए आरआईएससी-वी प्रोसेसर कोर की अपनी लाइन को भी बंद कर दिया है। रिपोर्ट की गई छंटनी ऐसे समय में आई है जब आरआईएससी-वी में उद्योग की दिलचस्पी बढ़ती दिख रही है।

डेटाब्रिक्स ने 100 मिलियन डॉलर में डेटा स्टार्टअप आर्कियन का किया अधिग्रहण

सैन फ्रांसिस्को।

अमेरिका स्थित डेटा और एआई कंपनी डेटाब्रिक्स ने डेटा स्टार्टअप आर्कियन का अधिग्रहण किया है। आर्कियन एंटरप्राइजेज को ऑन-प्रिमाइसेस, क्लाउड डेटाबेस और डेटा प्लेटफॉर्म पर डेटा को जल्दी और विश्वसनीय रूप से दोहराने में मदद करता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कंपनी ने प्रोत्साहन समेत करीब 100 मिलियन डॉलर में आर्कियन का अधिग्रहण किया।

कंपनी ने कहा कि यह अधिग्रहण डेटाब्रिक्स को अलग-अलग एंटरप्राइज डेटा सोर्सेज से डेटा प्राप्त करने के लिए मूल रूप से एक स्केलेबल, इस्तेमाल में आसान और कॉस्ट-इफेक्टिव सॉल्यूशन प्रदान करने में सक्षम करेगा।

डेटाब्रिक्स के सह-संस्थापक और सीईओ अली कुदसी ने एक बयान में कहा, आर्कियन का अत्यधिक विश्वसनीय और उपयोग में आसान समाधान हमारे ग्राहकों को तेजी से और अधिक सूचित निर्णय लेने के लिए उस डेटा को लगभग तुरंत उपलब्ध कराने में सक्षम करेगा।

स्केलेबल चेंज डेटा कैप्चर (सीडीसी) इंजन पर आधारित, आर्कियन 20 से अधिक एंटरप्राइज डेटाबेस और डेटा वेयरहाउस के लिए कनेक्टर प्रदान करता है। इंटीग्रेशन ऐसे डेटा को लगातार या ऑन-डिमांड लेकहाउस में शामिल करना आसान बना देगा, जो डेटाब्रिक्स प्लेटफॉर्म की एंटरप्राइज सिक्योरिटी और गवर्नेंस के साथ पूरी तरह से इंटिग्रेटेड है। आर्कियन के सीईओ गैरी हागमुएलर ने कहा, आर्कियन का रियल-टाइम, बड़े पैमाने पर सीडीसी डेटा पाइपलाइन टेक्नोलॉजी रियल टाइम में ऑपरेशनल डेटा को दोहरानेके लिए डेटाब्रिक्स के मार्केट-लीडिंग ईटीएल सॉल्यूशन का विस्तार करती है।

यह अधिग्रहण डेटाब्रिक्स द्वारा सितंबर में 43 बिलियन डॉलर के मूल्यांकन पर 500 मिलियन डॉलर के फंडिंग राउंड की घोषणा के बाद हुआ है। जून में, कंपनी ने लगभग 1.3 बिलियन डॉलर में एक प्रमुख जेनेरिक एआई प्लेटफॉर्म मोजेकएमएल का अधिग्रहण किया।

कहा जाता है कि इस अधिग्रहण के साथ, कंपनी हर संगठन के लिए जेनरेटिव एआई को सुलभ बनाएगी, जिससे वे अपने डेटा के साथ जेनेरेटिव एआई मॉडल बनाने, स्वामित्व रखने और सुरक्षित करने में सक्षम होंगे।

दूसरी तिमाही में एक्सिस बैंक को 5,863 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ

चेन्नई

निजी क्षेत्र के एक्सिस बैंक ने बुधवार को कहा कि उसने वित्त वर्ष 2024 की दूसरी तिमाही में 5,863 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया। एक नियामक फाइलिंग में एक्सिस बैंक ने कहा कि 30 सितंबर, 2023 को समाप्त तिमाही के लिए उसने 26,626 करोड़ रुपये की कुल ब्याज आय (पिछले साल की इसी अवधि के 20,238 करोड़ रुपये के मुकाबले) और 5,863 करोड़ रुपये (5,329 करोड़ रुपये) का शुद्ध लाभ अर्जित किया। समीक्षाधीन अवधि के दौरान, बैंक की अन्य आय लगभग 5,034 करोड़ रुपये (3,855 करोड़ रुपये) रही, जिससे कुल आय लगभग 31,660 करोड़ रुपये (24,094 करोड़ रुपये) हो गई। 30 सितंबर को, एक्सिस बैंक की सकल गैर निष्पादित संपत्ति (जीएनपीए) और शुद्ध एनपीए क्रमशः 16,756 करोड़ रुपये (19,893 करोड़ रुपये) और 3,441 करोड़ रुपये (3,995 करोड़ रुपये) थे।

हमेशा अपने को बेहतर बनाने का प्रयास करता हूं : विराट

चेन्नई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के अनुसार उनका लक्ष्य हमेशा बेहतर होना रहा है पर वह इसके पीछे भागते नहीं। कोहली ने अभी तक विश्वकप में भारत की ओर से सबसे अधिक रन बनाये हैं। उन्होंने पांच मैच में 118.00 की औसत से 354 रन बनाए हैं। इसमें एक शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं। कोहली ने कहा, 'मैंने हमेशा प्रयास किया है कि मैं हर दिन, हर अभ्यास सत्र, हर साल और हर सत्र में अपने को कैसे बेहतर बना सकता हूं। इसी ने मुझे इतने लंबे समय तक खेलने और प्रदर्शन करने में मदद की है। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि इस मानसिकता के बिना लगातार अच्छा प्रदर्शन करना संभव नहीं है क्योंकि अगर श्रेष्ठ प्रदर्शन ही आपका लक्ष्य है तो कोई भी कुछ समय बाद संतुष्ट हो सकता है और अपने खेल पर काम करना बंद कर सकता है। कोहली ने कहा, 'मेरा लक्ष्य हमेशा बेहतर होना रहा है, ना कि उत्कृष्टता का पीछा करना क्योंकि मैं नहीं जानता कि उत्कृष्टता की परिभाषा क्या है। इसकी कोई सीमा नहीं है, न ही कोई निर्धारित मानक है कि जब आप यहां पहुंचेंगे तो आप उत्कृष्टता हासिल कर लेंगे। ।

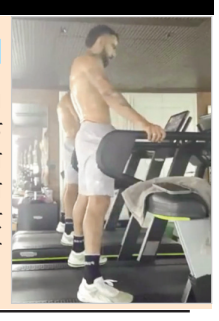

सरबजोत और सुरभि ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम में रजत जीता

चांगवोन (कोरिया)।

सरबजोत सिंह और सुरभि राव की भारतीय जोड़ी ने बुधवार को यहां एशियाई शूटिंग चैंपियनशिप में 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में रजत पदक जीता। सरबजोत सिंह और सुरभि राव स्वर्ण पदक मैच में चीन के जिनयाओ लियू और जू ली से 4-16 से हार गए और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। मौजूदा एशियाई शूटिंग चैंपियनशिप में सीनियर वर्ग में यह भारत का दूसरा पदक था, सरबजोत ने मंगलवार को पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल में व्यक्तिगत कांस्य पदक जीता। पोडियम फिनिश के अलावा, सरबजोत के प्रदर्शन ने पिस्टल स्पर्धाओं में भारत को अपना पहला पेरिस ओलंपिक कोटा भी दिलाया।भारतीय जोड़ी सरबजोत (293-103) और सुरभि (288-103) के साथ क्वालीफिकेशन में कुल 581-203 के साथ तीसरे स्थान पर रही, जबकि जिन्याओ और जू 581-223 के साथ शीर्ष पर रहे। एक अन्य चीनी जोड़ी चीन के रैंक्सिन जियांग और बोवेन झांग 581-213 स्कोर के बाद दूसरे स्थान पर रहे। आमतौर पर, क्वालीफाइंग दौर की शीर्ष दो टीमें स्वर्ण पदक मैच के लिए आगे बढ़ती हैं। हालाँकि, प्रति देश केवल एक टीम को पदक मैचों के लिए अर्हता प्राप्त करने की अनुमति देने वाले नियम के कारण, रैंक्सिन जियांग और बोवेन झांग को बाहर होने के लिए मजबूर होना पड़ा।स्कीट स्पर्धाओं में, भारतीय निशानेबाजों ने पुरुष और महिला दोनों स्पर्धाओं में खाली हाथ रहे। हांगझोउ में एशियाई खेलों में रजत पदक जीतने वाले अनंतजीत सिंह नरूका बुधवार को फाइनल में चौथे स्थान पर रहने के बाद पदक और ओलंपिक कोटा से चूक गए। छह सदस्यीय फाइनल में 40 में से 33 शॉट लगाने के बाद वह बाहर हो गए। गुरजोत खंगुरा ने भी पुरुषों के स्कीट फाइनल में जगह बनाई, लेकिन पहले 20 शॉट्स में से पांच चूकने के बाद वह बाहर हो गए। क्वालीफाइंग राउंड में पांच राउंड में 121 अंक हासिल करने के बाद वह तीसरे स्थान पर थे। महिलाओं की स्कीट स्पर्धा में, गनेमत सेखों शीर्ष प्रदर्शन करने वाली भारतीय बनकर उभरीं, उन्होंने 108 के स्कोर के साथ 15वां स्थान हासिल किया। उनके बाद, कार्तिकी सिंह और परिनाज़ धालीवाल ने क्रमशः 17वां और 18वां स्थान हासिल किया। दर्शना राठौड़ ने उस क्षेत्र में 106 के स्कोर के साथ 19वां स्थान हासिल किया जिसमें 28 निशानेबाज

शामिल थे। एशियाई शूटिंग चैंपियनशिप पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए योग्यता अवसर के रूप में काम करती है, जिसमें कुल 24 ओलंपिक कोटा स्थान उपलब्ध हैं।12 ओलंपिक शूटिंग स्पर्धाओं में से प्रत्येक में, शीर्ष दो फिनिशर (प्रति देश एक) अपनी राष्ट्रीय टीमों के लिए एक प्रतिष्ठित स्थान सुरक्षित करते हैं।

अनंत, गुरजोत, अंगद की पुरुष स्कीट टीम ने एशियाई शूटिंग में जीता स्वर्ण

नई दिल्ली।

अनंत जीत सिंह नरूका, गुरजोत खांगुरा और अंगद वीर सिंह बाजवा की पुरुष स्कीट टीम ने रविवार को 15वीं एशियाई शूटिंग में स्वर्ण पदक जीता, जब उनका 358 का कुल स्कोर टीम कोरिया को एक अंक से पछाड़ने के लिए पर्याप्त था। यह चैंपियनशिप (एएससी), कोरिया के चांगवोन में चल रही है। कजाकिस्तान तीसरे स्थान पर रहा। पहले दो नामितों ने व्यक्तिगत फाइनल में भी जगह बनाई, जहां अनंत जीत चौथे और गुरजोत छठे स्थान पर रहे, जिससे दोनों व्यक्तिगत पदक और दो उपलब्ध पेरिस ओलंपिक कोटा स्थान चूक गए। सरबजोत सिंह और सुरभि राव ने भी उस दिन भारत के लिए रजत पदक जीता। उन्होंने क्वालीफिकेशन में संयुक्त रूप से 581 का स्कोर बनाया, यही स्कोर चार अन्य टीमों ने भी हासिल किया, जिनमें दो चीनी जोड़ियां भी शामिल थीं। जिन्होंने अधिक सटीकता के आधार पर शीर्ष दो स्थान हासिल किए। भारतीय तीसरे स्थान पर थे, लेकिन चूंकि एक देश से केवल एक ही टीम फाइनल

में जगह बना सकी, इसलिए सरबजोत और सुरभी का स्वर्ण के लिए ली जू और लियू जिन्याओ से मुकाबला हुआ। हालांकि, चीनी खिलाड़ी 16-4 से आगे रहे और भारतीयों ने रजत पदक अपने नाम किया। भारत के पास अब 15वें एएससी से छह पदक हैं जिनमें दो स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य पदक शामिल हैं। टीम ने अब तक चैंपियनशिप से दो पेरिस कोटा भी जीते हैं।

पीएम मोदी गुरुवार को गोवा में राष्ट्रीय खेलों का करेंगे उद्घाटन

पणजी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 37वें राष्ट्रीय खेलों का उद्घाटन 26 अक्टूबर को दक्षिण गोवा के फतोर्दा में पंडित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में करेंगे। इस कार्यक्रम में पांच हजार छात्रों सहित लगभग बारह हजार लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। खेलों की शुरुआत 19 अक्टूबर को गोवा में बैडमिंटन टूर्नामेंट के साथ हुई, हालांकि राष्ट्रीय खेलों का औपचारिक उद्घाटन गुरुवार को होगा। इस अवसर पर गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, युवा मामले और खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर, पर्यटन राज्य मंत्री श्रीपद नाइक और गोवा के खेल मंत्री गोविंद गौडे भी उपस्थित रहेंगे। सावंत ने कहा कि उद्घाटन कार्यक्रम गायकों और अन्य कलाकारों के प्रदर्शन से भरा होगा। साथ ही इस अवसर पर प्रसिद्ध गायिका हेमा सरदेसाई और सुखविंदर सिंह परफॉर्म करेंगे। इसके अलावा, लगभग 600 कलाकार स्टेडियम में राष्ट्रीय एकता कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे। राष्ट्रीय खेलों के दौरान पांच स्वदेशी खेलों - मल्लखंब, कलरीपायट्टु, गतका, लागोरी और योग सहित लगभग 43 खेल विधाओं का प्रदर्शन किया जाएगा। यह आयोजन पणजी, मापुसा, मडगांव, कोलवा, वास्को और पोंडा में 28 स्थानों पर आयोजित किया जाएगा और इसमें लगभग 10,806 एथलीट भाग लेंगे, जिनमें से 49 प्रतिशत महिलाएं हैं।

भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ भी जीत की प्रबल दावेदार, 29 अक्टूबर को होगा मुकाबला

मुम्बई ।

रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम ने इस बार शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने सभी पांच मैच जीत लिए हैं। इससे भारतीय टीम अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गयी है। भारतीय टीम ने अब तक ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान, पाकिस्तान, बांग्लादेश और न्यूजीलैंड जैसी टीमों को हराया है। अब भारतीय टीम का मुकाबला

29 अक्टूबर को लखनऊ के इकाना स्टेडियम में इंग्लैंड से होगा। इस मैच में भी भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है क्योंकि अब तक विश्वकप में इंग्लैंड का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है। उसके केवल एक ही मैच में जीत मिली है। वहीं भारतीय टीम एक सप्ताह के आराम के बाद तरोताजा होकर पूरे उत्साह से उतरेगी। वहीं दूसरी ओर इंग्लैंड की टीम को 26 अक्टूबर को श्रीलंका से खेलना है। इंग्लैंड का लक्ष्य इस मुकाबले को जीतकर भारतीय टीम से होने वाले मुकाबले से पहले अपना मनोबल बढ़ाना रहेगा।

इंग्लैंड की टीम अंक तालिका में अभी 9वें नंबर पर हैं। टीम के कप्तान जो बटलर का भी मानना है कि उनकी टीम अब तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पायी है और उसका सेमीफाइनल में जाना मुश्किल है। जहां भारतीय टीम को सेमीफाइनल` लिए सीधे

क्वालीफाई करने केवल दो मैच जीतने हैं। वहीं इंग्लैंड को अब सभी मुकाबले जीतने होंगे। इंग्लैंड का सफल इसलिए भी मुश्किल नजर आता है क्योंकि शानदार फार्म में चल रही भारतीय टीम को हराना उसके लिए अभी बेहद मुश्किल हैं।

संक्षिप्त समाचार

डी कॉक का पांच पारियों में तीन शतक बनाना एक विशेष प्रयासः जेपी डुमिनी

मुम्बई। दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजी कोच जेपी डुमिनी ने मंगलवार को बांग्लादेश के खिलाफ चल रहे वर्ल्ड कप में अपना तीसरा शतक लगाने के बाद क्विंटन डी कॉक के प्रदर्शन को काफी विशेष प्रयास करार दिया। इससे पहले टूर्नामेंट में डी कॉक श्रीलंका के खिलाफ 100 और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 109 रन की शतकीय पारी खेल चुके हैं। विश्व कप के बाद वनडे क्रिकेट से संन्यास लेने वाले डी कॉक अब बांग्लादेश के खिलाफ विराट कोहली (354 रन) को पछाड़कर 174 रन बनाने के बाद टूर्नामेंट के अग्रणी रन-स्कोरर (407 रन) हैं। दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजी कोच डुमिनी ने मंगलवार रात को कहा, शतक बनाना और फिर पीछे हटना आसान है लेकिन हर दिन जब वह प्रशिक्षण के लिए आता है और अब तक उनका जैसा प्रदर्शन रहा है वो बेहद खास है।आप जानते हैं, पांच पारियों में तीन शतक बनाना एक बहुत ही विशेष प्रयास है। दक्षिण अफ्रीका की उम्मीदें संभवतः क्विंटन डी कॉक द्वारा प्रदर्शित बल्लेबाजी कौशल पर टिकी होंगी क्योंकि वे पाकिस्तान, न्यूजीलैंड और मेजबान देश और टूर्नामेंट के पसंदीदा भारत के खिलाफ आगामी मैचों के साथ मैचों की एक चुनौतीपूर्ण श्रृंखला का सामना करने वाले हैं।

इंग्लैंड को आत्मविश्वास हासिल करना होगा और हर मैच जीतना पड़ेगाः मोईन अली

बेंगलुरु। डिफेंडिंग चैंपियन इंग्लैंड पर मौजूदा विश्व कप में सेमीफाइनल में जगह बनाने की दौड़ से बाहर होने का खतरा है और अनुभवी ऑलराउंडर मोइन अली ने कहा है कि टीम जानती है कि उन्हें क्या करना है। अफगानिस्तान और दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद इंग्लैंड गुरुवार को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में 1996 के चैंपियन श्रीलंका के खिलाफ मैच में उतर रहा है।इंग्लैंड का कुल रिकॉर्ड एक जीत और तीन हार है। इंग्लैंड विश्व कप के अपने पहले मैच में न्यूज़ीलैंड से भी हारा था। इसके अलावा, अब वे चोटिल तेज गेंदबाज रीस टॉपले के बिना मैदान में उतरेंगे, जो टूर्नामेंट में उनके प्रमुख विकेट लेने वाले गेंदबाज थे। मुंबई में दक्षिण अफ्रीका से 229 रन की भारी हार के दौरान रीस टॉपले की उंगली टूट गई थी। उनके स्थान पर तेज गेंदबाज ब्रायडन कार्स को शामिल किया गया है। मोईन अली ने कहा, हम स्पष्ट रूप से परिणाम से निराश हैं और न केवल परिणाम से बल्कि जिस तरह से हमने खेला उससे भी, लेकिन प्रतियोगिता में आपको जितनी जल्दी हो सके आगे बढ़ना होगा। हम जानते हैं हम पहले भी ऐसी मुश्किलों का सामना कर चुके हैं। ऑफ-स्पिन ऑलराउंडर ने विश्व कप में एक ही मैच खेला है और उन्होंने कहा कि अभी उनकी भूमिका प्लेइंग-11 में प्रवेश के लिए खुद को तैयार करना है।

वार्नर ने पोंटिंग को पीछे छोड़ा, वनडे विश्व कप में सर्वाधिक शतक का 27 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा

नई दिल्ली,

ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के बल्लेबाज डेविड वार्नर ने नीदरलैंड के खिलाफ खेलते हुए बुधवार को वनडे विश्व कप में अपना छठा शतक लगाया और ऑस्ट्रेलिया के लिए वनडे विश्व कप में सर्वाधिक वनडे शतकों के पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान रिकी पोंटिंग के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।रिकी पोंटिंग ने अपनी 43 विश्व कप पारियों में पांच शतक लगाए, जिनमें से आखिरी शतक उन्होंने 1996 विश्व कप में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेलते हुए लगाया था। पोंटिंग के पास यह रिकॉर्ड 27 साल तक कायम रहा जो अब वार्नर के पास चला गया है।तेईस विश्व कप पारियों में, वार्नर के अब छह शतक हैं, जिसमें लगातार दो विश्व कप शतक शामिल हैं जो मौजूदा टूर्नामेंट में आए थे।नीदरलैंड के खिलाफ एक शतक के साथ, वार्नर भी अब सर्वकालिक सूची में सचिन तेंदुलकर के साथ भारत के रोहित शर्मा के ठीक नीचे हैं, जिनके नाम पर सात शतक हैं। इससे पहले, डेविड वार्नर ने 93 गेंदों पर 11 चौकों और 3 छक्कों की मदद से शानदार 104 रन बनाए। इस पारी के साथ, वार्नर विश्व कप 2023 के लिए शीर्ष पांच रन बनाने वालों में भी शामिल हो गए और मोहम्मद रिजवान, रचिन रवींद्र और रोहित शर्मा को पीछे छोड़ दिया।वार्नर और मैक्सवेल के वनडे विश्व कप इतिहास के सबसे तेज शतक की मदद से ऑस्ट्रेलिया ने 50 ओवरों में 399/8 का

विशाल स्कोर बनाया।

नेपोली ने चैंपियंस लीग में यूनियन की हार का सिलसिला जारी रखा

बर्लिन।

यूनियन बर्लिन को लगातार नौवीं हार का सामना करना पड़ा, क्योंकि जियाको रास्पडोरी के एकमात्र गोल ने नेपोली को चैंपियंस लीग के ग्रुप चरण के तीसरे दौर में 1-0 की मामूली जीत के साथ सभी तीन अंक हासिल करने में सक्षम बनाया। शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, यूनियन ने शुरूआत से ही रक्षात्मक रूप से मजबूत शुरुआत की। नेपोली को यूनियन की अच्छी तरह से तैनात रक्षा को भेदना चुनौतीपूर्ण लगा, जबकि मेजबान टीम ने कई बार मौके बनाए।ईसर्नन ने जवाबी हमले के मौके तलाशना जारी रखा, लेकिन आधे समय के ब्रेक से पहले न तो ब्रेंडन आरोनसन और न ही डेविड डात्रो फोफाना नेपोली के गोलकीपर एलेक्स मेरेट को पार कर सके। हालांकि, मेहमान टीम ने 65वें मिनट में यूनियन को चौंका दिया, जब जियाको रास्पडोरी ने गोल दागा। बर्लिन ने बराबरी के लिए बेतहाशा दबाव डाला, लेकिन नेपोली की रक्षा कड़ी बनी रही। इस परिणाम के साथ अंतिम स्थान पर मौजूद यूनियन बर्लिन को ग्रुप सी में लगातार तीसरी हार का सामना करना पड़ा, जबकि नेपोली अपनी दूसरी जीत हासिल कर दूसरे स्थान पर पहुंच गया।

बॉन्ड अब रॉयल्स के गेंदबाजी कोच के तौर पर नजर आयेंगे

जयपुर । आईपीएल टीम राजस्थान रॉयल्स ने न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज शेन बॉन्ड को अपना सहायक कोच और तेज गेंदबाजी कोच बनाया है। बॉन्ड अब तक मुंबई इंडियंस के गेंदबाजी कोच रहे थे। विश्व के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में शामिल रहे बॉन्ड ने अपनी टीम के साल 2015 विश्व कप के फाइनल तक पहुंचने में अहम भूमिका निभाई थी। वह इसके बाद आईपीएल में मुंबई फ्रेंचाइजी से जुड़ गये थे। वह नौ सत्र तक मुम्बई टीम के कोच रहे , इस दौरान टीम ने चार बार खिताब जीता था। राजस्थान रॉयल्स टीम के क्रिकेट निदेशक कुमार संगकारा ने बॉन्ड के टीम से जुड़ने पर खुशी जताते हुए कहा, ' बॉन्ड बेहतरीन तेज गेंदबाजों में से एक रहे हैं। उन्हें लंबे समय से खिलाड़ियों को मार्गदर्शन करने का अनुभव है। उनके पास जरूरी ज्ञान भी है। संगकारा ने कहा, 'उन्होंने आईपीएल और भारत में कई साल तक कोच के तौर पर अपनी सेवाएं दी है और फ्रेंचाइजी क्रिकेट को वह अच्छी तरह से जानते हैं। वहीं बॉन्ड ने टीम से जुड़ने पर कहा, 'यह एक बेहतरीन फ्रेंचाइजी है जो अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस टीम की गेंदबाजी समूह में युवा और अनुभवी खिलाड़ी शामिल हैं। ऐसे में उनके साथ काम करना शानदार अनुभव होगा।

पंड्या इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबले से भी बाहर हुए

नई दिल्ली ।

भारतीय टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या अब तक अपनी चोट से नहीं उबरे हैं। इसी कारण पंड्या अब इंग्लैंड के खिलाफ रविवार को होने वाले एकदिवसीय विश्वकप मुकाबले से भी बाहर हो गये हैं। उनका बाहर होना भारतीय टीम के लिए करारा झटका है। पंड्या को बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबले में टखने में चोट लग गयी थी जिस कारण वह ओवर भी पूरा नहीं कर पाये थे उसके बाद वह न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले से भी बाहर रहे। पहले माना जा रहा था कि वह इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबले तक फिट हो जाएंगा पर अब ये संभावना भी समाप्त हो गयी है। वह इंग्लैंड के बाद श्रीलंका के खिलाफ होने वाले मैच में भी नहीं रहेंगे। उनके अब 5 नवंबर को दक्षिण अफ्रीका और फिर नीदरलैंड के खिलाफ होने वाले विश्व कप के अंतिम दो लीग मैचों के लिए ही उपलब्ध होने की संभावना है। एक रिपोर्ट के अनुसार पंड्या ने अब तक गेंदबाजी करना शुरू नहीं किया है। वहीं चिकित्सा टीम भी उन्हें कुछ समय और देना चाहती है। वह अभी बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में रिहैब के दौर से गुजर रहे हैं। उनके मुंबई या कोलकाता में भारतीय टीम से जुड़ने की उम्मीद है। भारतीय टीम प्रबंधन भी पंड्या की वापसी में जल्दबाजी नहीं करना चाहता है क्योंकि टीम को उम्मीद है कि वह अंतिम दो लीग मैच के लिए पूरी तरह फिट हो जाएंगे। टीम प्रबंधन चाहता है कि सेमीफाइनल के लिए वह पूरी तरह से फिट हो जाएं। पंड्या का

अभी इंग्लैंड के विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में इलाज हो रहा है। शुरू में इस बात की संभावना जताई गई थी कि पंड्या इंग्लैंड के खिलाफ 29 अक्टूबर को होने वाले मैच के लिए फिट हो जाएंगे पर टेस्ट और स्कैन के बाद तय किया गया कि उन्हें अभी ठीक होने के लिए समय दिया जाएगा। पंड्या को बांग्लादेश के खिलाफ मैच में लिटन दास के एक ड्राइव को पैर से रोकने के प्रयास में चोटिल हो गये थे। उसके बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच में मोहम्मद शमी को शामिल किया गया था।

पंड्या की वापसी के बाद के बाद भी शमी को टीम में बनाये रखें : रैना

नई दिल्ली । पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने तेज गेंदबाज मो शमी की जमकर प्रशंसा की है। रैना ने कहा कि शमी को आने वाले मैचों में भी टीम में बनाये रखा जाना चाहिये। शमी को ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या के चोटिल होने के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच में जगह मिली थी। वहीं पंड्या की लखनऊ में इंग्लैंड के खिलाफ मैच में वापसी की संभावनाएं हैं। इसी को लेकर रैना ने कहा कि पंड्या की वापसी के बाद भी शमी को टीम में बने रहना चाहिए। रैना के अनुसार पंड्या की वापसी के बाद भी शमी को टीम में रखने से कप्तान टीम को विरोधी टीम की पारी के बाद के चरण में अच्छा खिलाड़ी मिलेगा। रैना ने कहा कि इससे टीम के पास तीन आक्रामक गेंदबाजों के साथ अधिक विकल्प उपलब्ध रहेंगे। ये गेंदबाज डेथ ओवरों में भी अच्छा काम कर सकते हैं। हार्दिक पर भी इससे कम दबाव पड़ेगा। थोड़ी राहत की बात है क्योंकि जब ये तीनों गेंदबाजी करेंगे तो दबाव थोड़ा कम हो जाएगा।। साथ ही कहा कि शमी, सिराज, बुमराह, जड़ेजा, कुलदीप के साथ भारत के पास सबसे बेहतर गेंदबाजी संयोजन है। टीम प्रबंधन ने हालांकि अब तक तेज गेंदबाज के रूप में बुमराह, सिराज और पंड्या को और चौथे तेज गेंदबाज के रूप में शार्दुल ठाकुर को ही रखा है।

चित्रकूट का अर्थ है कई 'आश्चर्यों का पर्वत'। विंध्य पर्वत श्रृंखला में फैला चित्रकूट दो भागों में बंटा हुआ है। एक भाग मध्यप्रदेश के सतना जिले का चित्रकूट है, जो कि एक तहसील है और दूसरा भाग उत्तरप्रदेश का चित्रकूट जिला है।

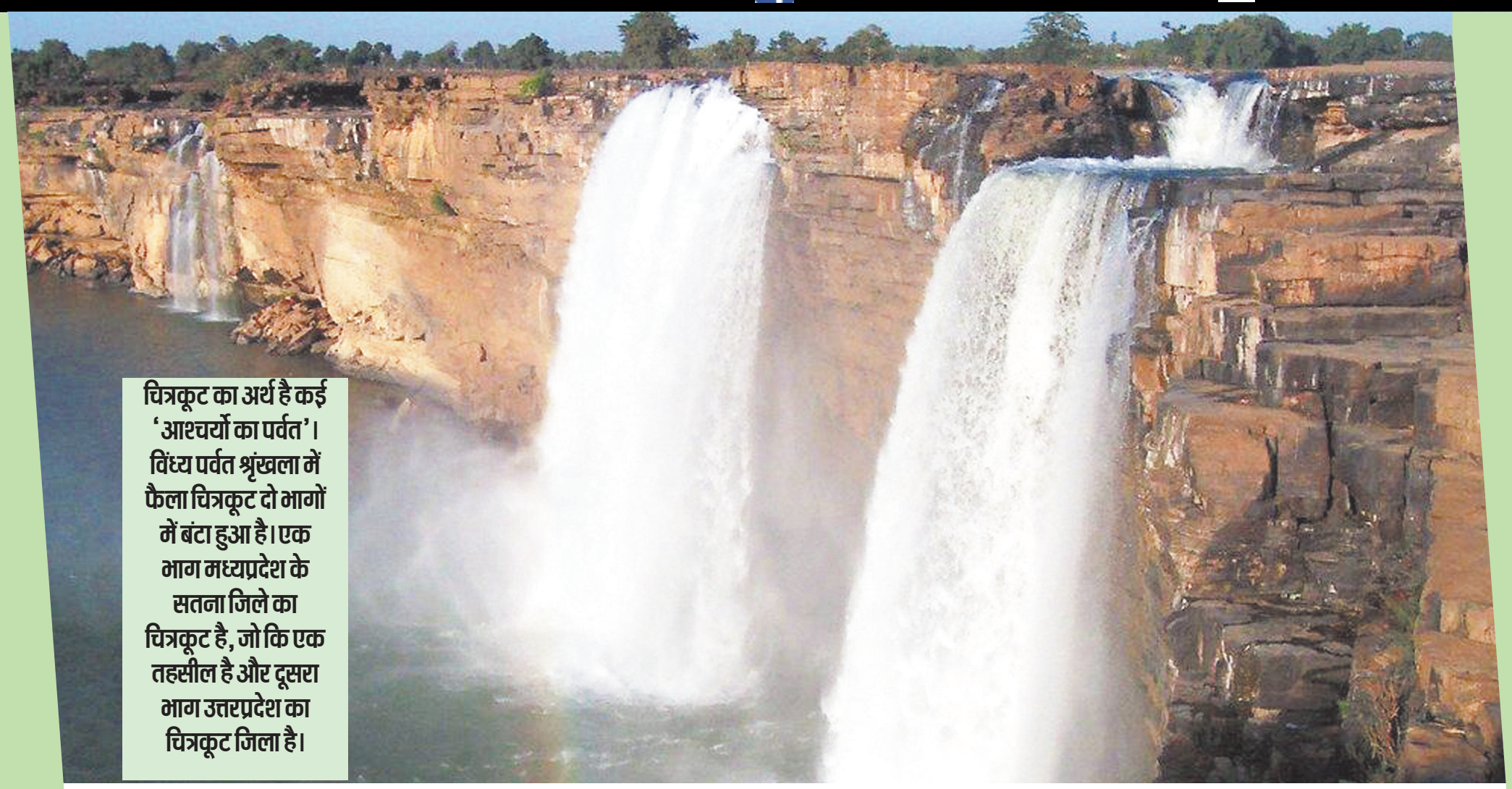

एक भाग मध्यप्रदेश के सतना जिले का चित्रकूट है जो कि एक तहसील है और दूसरा भाग उत्तरप्रदेश का चित्रकूट जिला है। महर्षि वाल्मीकि रचित रामायण के अनुसार भगवान श्रीराम ने अपनी पत्नी सीता और भाई लक्ष्मण के साथ अपने चौदह वर्ष के वनवास में से साढ़े ग्यारह वर्ष का समय यहां पर व्यतीत किया था।

श्रीरामजी की भूमि चित्रकूट

भारत में कई ऐसे स्थान हैं, जो कि ऐतिहासिक होने के साथ ही साथ धार्मिक रूप से भी महत्वपूर्ण हैं। ऐसे ही स्थानों में से एक चित्रकूट है, भगवान श्रीराम का वनवास स्थल। चित्रकूट का अर्थ है 'कई आष्चर्यों का पर्वत'। विंध्य पर्वत श्रृंखला में फैला चित्रकूट दो भागों में बंटा हुआ है। एक भाग मध्यप्रदेश के सतना जिले का चित्रकूट है जो कि एक तहसील है और दूसरा भाग उत्तरप्रदेश का चित्रकूट जिला है। महर्षि वाल्मीकि रचित रामायण के अनुसार भगवान श्रीराम ने अपनी पत्नी सीता और भाई लक्ष्मण के साथ अपने चौदह वर्ष के वनवास में से साढ़े ग्यारह वर्ष का समय यहां पर व्यतीत किया था। इसी कारण से चित्रकूट पर्यटन स्थल होने के साथ ही साथ एक आध्यामिक महत्व भी रखता है, एक ऐसा स्थान जहां के कण-कण में श्रीराम बसते हैं। इसके साथ ही चित्रकूट कई महान ऋषियों की कर्मभूमि भी रही है, जैसे, अत्रि, सती अनुसूया, दत्तात्रेय, मार्कण्डेय, सरभंग, सुतीक्ष्ण। इसके साथ ही चित्रकूट रामचरितमानस के रचियता संत तुलसीदास की जन्मभूमि भी रही है, जिनका जन्म चित्रकूट के राजापुर नामक गांव में हुआ था। संत तुलसीदास द्वारा लिखित रामचरितमानस आज भी उनके वंशजों के पास यहां सुरक्षित रखी है।

क्या देखें

वैसे तो पूरा चित्रकूट ही घूमने लायक हैं, लेकिन अगर आप चित्रकूट जा रहे हैं, तो किस भी हालत में इन स्थानों पर जाना न भूलें।

रामघाट

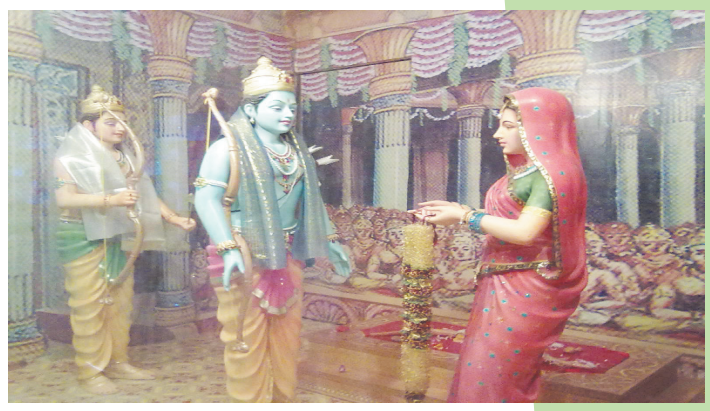

अगर आप चित्रकूट जा रहे हैं, तो रामघाट में स्नान करना न भूलें, जिसके लिये यह माना जाता है कि अपने वनवास के दौरान चित्रकूट आने पर इसी स्थान पर श्रीराम, सीता और लक्ष्मण ने मंदाकिनी नदी में स्नान किया था। साथ ही ऐसा भी माना जाता है कि चित्रकूट के इसी घाट पर बैठकर संत तुलसीदास ने भगवान राम से चंदन लगवाया था, और फिर हनुमान ने उनका परिचय देते हुए कहा था कि :

चित्रकूट के घाट में भई संतन की भीर।
तुलसीदास चंदन घिसै तिलक देत रघुवीर।।

रामघाट के पास कुछ अन्य महत्वपूर्ण स्थान भी हैं, जैसे कि, राघव प्रयाग घाट, मतगजेंद्रेष्वर स्वामी, पाम कुटी और यज्ञ वेदी।

कामदगिरि

कामदगिरि चित्रकूट का मुख्य दर्शनीय स्थल है। कामदगिरि एक संस्कृत शब्द है, जिसका अर्थ है 'सभी इच्छाओं से परिपूर्ण पर्वत'। ऐसा माना जाता है कि वनवास के दौरान राम, सीता और लक्ष्मण इसी पर्वत पर रहते थें। कामदगिरि और चित्रकूट के भगवान कामतानाथ का मंदिर भी यहीं स्थित है, जहां से कामदगिरि की 5 किलोमीटर लंबी परिक्रमा आरंभ होती है। परिक्रमा के इस पथ का निर्माण सन् 1725 में बुंदेल के महाराज छत्रसाल की पत्नी रानी प्रताप कुंवारी द्वारा करवाया गया था। परिक्रमा पथ के दौरान कई अन्य मंदिर भी स्थित हैं, जैसे, भारत मिलाप जहां पर भरत की मुलाकात राम, सीता और लक्ष्मण से हुई थी।

मठगजेंद्रेश्वर स्वामी : यह मंदिर रामघाट पर स्थित है। पुराणों के अनुसार इस स्थान पर सतयुग में भगवान ब्रह्मा ने तपस्या की थी और फिर शिवलिंग की स्थापना की थी। यहां पर मंदिर की स्थापना पन्ना के महाराज अमन सिंह के द्वारा की गई थी।

जानकी कुंड

जानकी का अर्थ है राजा जनक की पुत्री अर्थात् सीता। ऐसा माना जाता है कि वनवास के दौरान सीता जी इस कुंड का प्रयोग स्नानागार के रूप में करती थी। जानकी कुंड के आसपास कई चैरिटेबल संस्थाएं स्थित है, जैसे कि जानकी कुंड नेत्र चिकित्सालय, ब्लाइंड स्कूल आदि।

अत्रि-अनुसूया आश्रम

यह आश्रम रामघाट से 15 कि.मी. की दूरी पर स्थित है। ऐसा माना जाता है कि सती अनुसूया ऋषि अत्रि के साथ यहीं रहती थी और इसी आश्रम में उन्होंने त्रिदेवों को बालकों के रूप में परिवर्तित कर दिया था। इसी आश्रम के पास परमहंस आश्रम भी स्थित है।

हनुमान धारा

हनुमान धारा रामघाट से पूर्व की ओर 4 किमी की दूरी पर विंध्य के आरंभ पर स्थित एक अत्यंत रमणीय स्थल है। ऐसा माना जाता है कि लंका दहन करने के कारण अयोध्या लौटने तक हनुमान जी के शरीर में जलन हो रही थी। भगवान राम को अपनी यह समस्या बताने पर उन्होंने उन्हें चित्रकूट के इस पर्वत पर जाने के लिये कहा और यह भी कहा कि यहां पर उनपर ठंडे जल की एक धारा प्रवाहित होगी, जिस कारण से उनकी जलन समाप्त हो जाएगी। आज भी हनुमान जी की मूर्ति पर यह धारा प्रवाहित होती है और उसके बाद कहां अदृष्य हो जाती है, यह पूर्णत : रहस्य है।

गुप्त गोदावरी : चित्रकूट के दक्षिण–पष्चिम में करीब 18 कि.मी. की दूरी पर एक पहाड़ पर स्थित यह स्थान अत्यंत रमणीय ओर रहस्यमय है। गुप्त गोदावरी का आष्चर्य यहां पर स्थित दो गुफाएं हैं।

रामशय्या

सीतापुर से चलने पर भरत कूप से पहले एक और दिव्य स्थल है, जिसे रामशय्या कहते हैं। इस स्थान को परिक्रमा मार्ग से भी देखा जा सकता है। यह एक चट्टान है, जिसके लिये यह माना जाता है कि वनवास के दौरान राम और सीता इस चट्टान पर आराम करते थे।

एक बड़ी सी शिला पर दो चिन्ह भी बने हुए हैं, जिनका निर्माण राम और सीता के लेटने के कारण हुआ था। इनके अतिरिक्त भी चित्रकूट और इसके आसपास के क्षेत्र में कई दर्शनीय स्थल हैं, जैसे कि, राघव–प्रयाग घाट, यज्ञ वेदी, स्फटिक शिला, मयूरध्वज आश्रम, लक्ष्मण चौकी, वाल्मीकि आश्रम, भरत कूप, लक्ष्मण पहाड़ी, सुतीक्ष्ण आश्रम, गणेश बाग, कालिंजर दुर्ग आदि।

कैसे पहुंचे

सड़क द्वारा : मध्यप्रदेश से चित्रकूटके लिये रीवा, सतना, पन्ना, मैहर, सागर, छतरपुर आदि स्थानों से और उत्तरप्रदेष से मिर्शापुर, इलाहाबाद, बांदा, कानपुर, लखनऊ, महोबा, अतरा, नरैनी, झांसी से निरंतर बस सेवाएं उपलब्ध रहती है।

रेल द्वारा : निकटतम रेलवे स्टेषन चित्रकूट धाम कर्वी है, शो कि मानिकपुर–झांसी रेलवे लाइन में स्थित है।

वायुयान द्वारा : चित्रकूट के लिये निकटतम एयरपोर्ट खजुराहो है, जो कि चित्रकूट से 175 कि.मी. की दूरी पर स्थित है।

आइस स्कीइंग के लिए मशहूर

खूबसूरत औली

बद्रीनाथ धाम के निकट नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान के पास स्थित है गढ़वाल का मशहूर औली क्षेत्र। यहां पर घने जंगलों के साथ ही खूबसूरत पहाड़ तथा मखमली घासों से ढंके हुए मैदान फैले हुए हैं। देश का सबसे नया आइसस्कीइंग केंद्र भी यहीं पर मौजूद है। यहां पर आप बर्फ पर फिसलने का भरपूर आनंद उठा सकते हैं। बर्फ की चादरों से ढंकी यहां की खूबसूरत ढलानें एशिया की खूबसूरत ढलानों में भी गिनी जाती हैं। यहां से आप नंदा देवी, हाथी गौरी पर्वत, ऐरावत पर्वत तथा नीलकंठ पर्वत का नजारा भी बखूबी देख सकते हैं।

सबसे पहले भारत-तिब्बत सीमा पुलिस ने इसे आइसस्कीइंग खेल मैदान के रूप में तलाशा था फिर गढ़वाल मंडल विकास निगम ने स्कीइंग को बढ़ावा देने की मंशा से यहां स्कीइंग केंद्र की स्थापना की। यहां पर रोपवे भी है जोकि औली के आकर्षण में अनूठा साबित हुआ है। रोपवे की रोमांचक यात्रा सैलानियों को आनंदविभोर कर देती है। जब पर्यटक इसमें बैठकर जंगल, खेत और गांवों के ऊपर से गुजरते हैं, तो उनका मन झूम उठता है। दर्शनीय स्थलों की बात करें तो आप सबसे पहले गुरसौं बुग्याल देखने जा सकते हैं। ओक और कोनिफर के जंगलों से घिरा हुआ और खूबसूरती से भरापूरा यह मैदान सैंकड़ों मीलों तक फैला हुआ है।

औली से तीन किलोमीटर की दूरी पर स्थित गुरसौं बुग्याल में गर्मियों के मौसम में असंख्य फूल भी खिलते हैं।

आप क्वांरी बुग्याल भी घूमने जा सकते हैं। यह एक मनोरम स्थल है। यहां पर दूर-दूर तक फैली हुई खूबसूरत ढलानें देखते ही बनती हैं। इन ढलानों पर ट्रैकिंग का आनंद भी लिया जा सकता है।

जोशीमठ भी औली के सर्वश्रेष्ठ दर्शनीय स्थलों में शुमार है। औली से लगभग 12 किलोमीटर दूर स्थित जोशीमठ में आप मठों, स्मारकों के दर्शन कर सकते हैं। यहां पर ऐतिहासिक, सांस्कृतिक तथा पौराणिक महत्व के कई सारे मठ व मंदिर मौजूद हैं साथ ही आप यहां पर्वतारोहण भी कर सकते हैं। इस स्थान की सबसे खास बात यह है कि इसे बदरीनाथ और फूलों की घाटी का प्रवेशद्वार भी माना जाता है।

सेलधार तपोवन को देखने का अपना अलग ही मजा है। क्योंकि यहां पर गरम पानी के अनेक सोते हैं, जिन्हें देखते ही बनता है। यहां पर आप अधिक उबलते गरम पानी के फव्वारे और सोते को देख कर दंग रह जाएंगे। इसी प्रकार चिनाब झील भी देखी जा सकती है। यह झील प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर जगह जोशीमठ के पास स्थित है। लेकिन कठिन चढ़ाई होने के कारण अभी इस स्थल का पर्याप्त विकास नहीं हो सका है।

वंशीनारायण कल्पेश्वर भी देखने योग्य जगह है, खासकर गर्मियों में। क्योंकि गर्मियों में यह पूरी घाटी फूलों से ढंकी हुई नजर आती है। इस मनोरम दृश्य को देखकर सभी पर्यटक आकर्षित हुए बिना नहीं रहते। यदि आप औली की यात्रा करने का मन बना चुके हैं तो आपको बता दें कि यहां तक आपको सीधी रेल सेवा नहीं मिल पाएगी। यहां से निकटतम रेलवे स्टेशन ऋषिकेश है। आप ऋषिकेश स्टेशन से औली के लिए बस ले सकते हैं। ऋषिकेश से औली लगभग 253 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

चाहें तो ऋषिकेश से जोशीमठ तक के लिए बसों तथा टैक्सियों व जीपों का भी प्रयोग कर सकते हैं और जोशीमठ से औली तक की यात्रा रोपवे से भी तय कर सकते हैं। जहां तक बात यहां पर ठहरने की है, तो आपको बता दें कि औली में आपको गढ़वाल मंडल विकास निगम द्वारा बनवाए गए हट्स और फाइबर हट्स में रहने की सुविधा आराम से मिल सकती है।

मध्य पूर्व में अमेरिका की हस्तक्षेपवादी रणनीति : विवेक रामास्वामी

वाशिंगटन। अमेरिकी राजनीतिक पार्टी रिपब्लिकन के राष्ट्रपति पद के नामांकन के दावेदार विवेक रामास्वामी ने कहा कि अमेरिका की मध्य पूर्व में पुरानी हस्तक्षेपवादी रणनीति है। श्री रामास्वामी ने मंगलवार को हडसन इंस्टीट्यूट में कहा, 'वे हम पर उन जगहों पर हमला कर रहे हैं जहां हमें नहीं होना चाहिए था। हम सीरिया में क्यों हैं, हम इराक में क्यों हैं, हमें इनमें से किसी

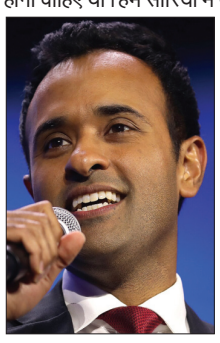

भी जगह पर नहीं होना चाहिए था। वर्तमान में इस तरह की रणनीति को आगे बढ़ाने में कुछ बुरे इरादे शामिल हैं, लेकिन यह ज्यादातर 'हस्तक्षेपवादी विदेश नीति' का एक पुराना दृष्टिकोण है। उन्होंने कहा, 'इसने हमें हमला करने की स्थिति में ला दिया है।' श्री रामास्वामी ने कहा कि जैसे-जैसे इजरायल गाजा पट्टी पर जमीनी आक्रमण की ओर बढ़ रहा है, चिंता बढ़ती जा रही है कि वह उत्तर से हिजबुल्लाह के संभावित हमले का शिकार हो जाएगा। उल्लेखनीय है कि सात अक्टूबर को फिलिस्तीनी समूह हमास ने गाजा पट्टी से इजरायल के खिलाफ आश्चर्यजनक हमले शुरू किए। इजरायल ने हमास पर युद्ध की घोषणा की और बड़े पैमाने पर हमले किए। साथ ही गाजा पट्टी की पूर्ण नाकाबंदी कर दी, जिससे लगभग 23 लाख फिलिस्तीनियों को पानी, भोजन, दवाएं, बिजली और ईंधन की आपूर्ति बंद कर दी गई। संघर्ष के बढ़ने के कारण 1,200 इज़रायली सैनिक और नागरिक मारे गए और पांच हजार से अधिक फ़िलिस्तीनी मारे गए और कई हज़ार घायल हुए।

अमेरिका ने किर्गिस्तान द्वारा सीरिया के अल-होल से 83 लोगों को वापस लाने का स्वागत किया

वाशिंगटन। अमेरिका सीरिया में अल-होल शिविर से 83 महिलाओं और बच्चों को वापस लाने वाले किर्गिस्तान का स्वागत करता है और उनके प्रत्यावर्तन प्रयासों पर अन्य देशों के साथ सहयोग करने के लिए तैयार है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने यह जानकारी दी है। श्री मिलर ने मंगलवार को एक बयान में कहा 'किर्गिज़ गणराज्य द्वारा पूर्वोत्तर सीरिया में अल-होल विस्थापित व्यक्तियों के शिविर से 83 महिलाओं और बच्चों की वापसी, आईएसआईएस (रूस में प्रतिबंधित) की क्षेत्रीय हार के बाद आई मानवीय और सुरक्षा चुनौतियों को हल करने के लिए एक और महत्वपूर्ण कदम है।' प्रवक्ता ने कहा कि अमेरिका किर्गिस्तान द्वारा अपने नागरिकों की स्वदेश वापसी का समर्थन करता है और स्वदेश वापसी के प्रयासों में अन्य देशों के साथ अपना सहयोग जारी रखने के लिए तैयार है। उन्होंने यह भी कहा कि सीरिया के बाहर 60 से अधिक देशों के लगभग 35,000 व्यक्ति अल-होल और रोज शिविरों में रहते हैं। श्री मिलर ने कहा, 'प्रत्यावर्तन ही एकमात्र टिकाऊ समाधान है।' श्री मिलर ने कहा कि इस साल दोनों शिविरों से 3,000 से अधिक लोगों को उनके मूल देशों में वापस भेजा गया है।

चीन शेनझोउ-17 मानवयुक्त अंतरिक्ष यान प्रक्षेपित करेगा

बीजिंग। चीन तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन के लिए गुरुवार को तीन सदस्यीय चालक दल के साथ शेनझोउ-17 मानवयुक्त अंतरिक्ष यान प्रक्षेपित करेगा। चीन मानवयुक्त अंतरिक्ष एजेंसी (सीएमएसए) के उप निदेशक लिन ज़ियांग ने यह जानकारी दी है। श्री लिन ने बुधवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा '26 अक्टूबर को स्थानीय समयानुसार सुबह 11:14 बजे शेनझोउ-17 मानवयुक्त अंतरिक्ष यान प्रक्षेपित किया जाएगा। चालक दल में अंतरिक्ष यात्री तांग होंगबो, तांग शेंगजी और जियांग शिनलिन शामिल हैं। तांग होंगबो को कमांडर नामित किया गया है।' उन्होंने यह भी कहा कि चीन अपने अंतरिक्ष अभियानों में भाग लेने के लिए विदेशी अंतरिक्ष यात्रियों को आमंत्रित करता है, खासकर उन देशों से जो अंतरिक्ष के शांतिपूर्ण उपयोग के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने बताया कि प्रक्षेपण उत्तर-पश्चिमी चीन के जिउक्वान सैटेलाइट प्रक्षेपण केन्द्र से लॉन्ग मार्च-2एफ वाहक रॉकेट के साथ होगा। अंतरिक्ष यात्रियों के वहां लगभग छह महीने तक काम करने की उम्मीद है।

आईडीएफ ने वेस्ट बैंक में फिलिस्तीनी लड़ाकों के खिलाफ ड्रोन से हमला किया

यरूशलम। इजरायल ने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी के जवाब में मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी) का उपयोग करके वेस्ट बैंक में फिलिस्तीनी लड़ाकों के खिलाफ हमला किया है। इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने बुधवार को यह जानकारी दी। आईडीएफ ने टेलीग्राम पर लिखा 'थोड़ी देर पहले, आईडीएफ और इज़रायल सीमा पुलिस बलों ने जेनिन के क्षेत्र में वाडी बुरकिन में आतंकवाद विरोधी गतिविधियों का संचालन किया और आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने के संदेह में दो व्यक्तियों को पकड़ा। इसके अतिरिक्त, सेना ने सशस्त्र आतंकवादियों की ओर गोलीबारी की। जेनिन कैंप में आतंकवाद विरोधी गतिविधि के दौरान, सशस्त्र आतंकवादियों ने इजरायली सुरक्षा बलों पर गोलीबारी की और विस्फोटक उपकरण फेंके। जवाब में एक आईडीएफ यूएवी ने आतंकवादियों पर हमला किया। बयान में कहा गया है कि इजरायली सुरक्षा बलों के किसी घायल होने की सूचना नहीं है। उल्लेखनीय है कि फिलिस्तीनी समूह हमास द्वारा गत 07 अक्टूबर को गाजा पट्टी से इजरायल के खिलाफ अचानक बड़े पैमाने पर रॉकेट हमला करने और सीमा का उल्लंघन करने, पड़ोसी इजरायली समुदायों के लोगों की हत्या और अपहरण करने के बाद फिलिस्तीनियों और इजरायल के बीच तनाव बढ़ गया है। इज़रायल ने जवाबी हमले शुरू किए और 20 लाख से अधिक लोगों के घर गाजा पट्टी की पूर्ण नाकाबंदी का आदेश दिया और पानी, भोजन और ईंधन की आपूर्ति काट दी। बाद में मानवीय सहायता वाले ट्रकों को गाजा पट्टी में प्रवेश की अनुमति देने के लिए नाकाबंदी में ढील दी गई। संघर्ष के बढ़ने से दोनों पक्षों के हजारों लोग मारे गए और घायल हुए।

भारत के साथ अपने मजबूत आर्थिक, सांस्कृतिक संबंधों को और गहरा करना चाहता है आयरलैंड

डबलिन। आयरलैंड की सरकार इस हफ्ते नए सिरे से शुरू की गई एशिया प्रशांत रणनीति के तहत भारत के साथ अपने मजबूत आर्थिक एवं सांस्कृतिक संबंधों को और गहरा करना चाहती है। उपप्रधानमंत्री माइकल मार्टिन ने यह बात कही। संबंधित एशिया प्रशांत रणनीति में 2025 तक इस क्षेत्र के साथ 100 अरब यूरो के व्यापार का लक्ष्य था, जिसे समय से दो साल पहले ही पार कर लिया गया है। डबलिन में मंगलवार को संवाददाताओं से मुखातिब मार्टिन ने कहा, '(भारत के साथ) हमारे न सिर्फ मजबूत आर्थिक रिश्ते, बल्कि गहरे सांस्कृतिक संबंध भी हैं। हम इन्हें और गहरा करना चाहते हैं। हम एशिया प्रशांत क्षेत्र में व्यापार का विस्तार करने की महत्वाकांक्षाओं का समर्थन करने के लिए अपनी नयी एशिया प्रशांत रणनीति शुरू कर रहे हैं, जो भविष्य में दुनियाभर में आर्थिक विकास को बढ़ावा देगी।' मार्टिन के पास उपप्रधानमंत्री पद के अलावा आयरलैंड के विदेश मामलों और रक्षा मंत्रालय का भी प्रभार है। उन्होंने गठबंधन सरकार के फॉर्मूले के तहत पिछले साल के अंत में देश के भारतीय मूल के प्रधानमंत्री लियो वराडकर के साथ भूमिकाओं की अदला-बदली की थी। विदेश मंत्री के रूप में अपनी भूमिका में मार्टिन ने वैश्विक आयरलैंड रणनीति को लागू करने पर ध्यान केंद्रित किया है और इस सप्ताह उस दायरे में एशिया प्रशांत क्षेत्र के लिए देश की प्रतिबद्धता को नवीनीकृत किया है। भारत इस नवीनीकृत एशिया प्रशांत रणनीति का एक प्रमुख हिस्सा है, जो क्षेत्र में आयरलैंड की मौजूदगी का विस्तार करने के प्रयासों के तहत मुंबई में एक नए महावाणिज्य दूतावास का निर्माण कर रहा है। कनाडाई राजनयिकों की भारत से वापसी पर अमेरिका और ब्रिटेन का रुख कनाडा के पक्ष में होने से जुड़े एक सवाल के जवाब में मार्टिन ने कहा कि दोनों देशों को अंतत इस मुद्दे में शामिल होने और चीजों को सुलझाने की संभावनाएं तलाशनी चाहिए। कनाडा ने पिछले हफ्ते कहा था कि उसने कनाडा में खालिस्तानी अलगाववादी नेता हरदीप सिंह निज्जर की जून में हुई हत्या में भारतीय एजेंट के शामिल होने के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के आरोपों के बाद द्विपक्षीय संबंधों में बढ़े तनाव के बीच कनाडाई राजनयिकों का दर्जा रद्द करने की भारत की कथित धमकी के मद्देनजर 41 राजनयिकों को वापस बुला लिया है।

फिर बिगड़ी चीन की नीयत, तवांग के पास कंबाइंड आर्म्स ब्रिगेड कर रहा तैनात

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अरुणाचल प्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्र तवांग का दौरा किया, जहां उन्होंने दशहरा के अवसर पर सैनिकों के साथ %शस्त्र पूजा% की, जो बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। दशहरे पर सिंह की सीमा क्षेत्र की यात्रा का महत्व महत्वपूर्ण है। पिछले साल दिसंबर में भारतीय बलों ने तवांग सेक्टर के यांग्त्से क्षेत्र में एक चीनी घुसपैठ को सफलतापूर्वक खदेड़ दिया था। इसका श्रेय भारतीय सैनिकों की बेहतर सामरिक तैनाती जैसे कि रिजलाइन पर कब्जा, बेहतर तैयारी, प्रभावी खुफिया जानकारी और क्षेत्र में मौजूदा चौकियों पर हर मौसम में तैनाती को दिया गया।

हालाँकि, हालिया वाणिज्यिक उपग्रह इमेजरी से संकेत मिलता है कि चीन ने संभवतः घटना के कुछ महीनों के भीतर त्सोना द्ज़ोंग के लैंपुग में टकराव स्थल के निकट तैनात अपने संयुक्त हथियार ब्रिगेड (सीएबी) को ल्होंत्से द्ज़ोंग के रितांग में स्थानांतरित कर दिया था। राजनाथ सिंह के साथ थल सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडे, जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ (जीओसी-इन-सी) पूर्वी कमान लेफ्टिनेंट जनरल आरपी

कलिता,जीओसी, 4 कोर लेफ्टिनेंट जनरल मनीष एरी भी थे। क्षा मंत्री को बुम ला से सीमा पार देखी गई पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) की कुछ चौकियां भी दिखाई गईं।

भारत ने रिजलाइन पर अपनी लाभप्रद सामरिक स्थिति का लाभ उठाया है और चीनी घुसपैठ का मुकाबला करने के लिए लगभग आधा दर्जन छोटी चौकियों का नेटवर्क बनाए रखा है। हालाँकि, हाल के दिनों में, चीन ने अपनी रणनीतिक तैनाती में सुधार के लिए सीमा के तत्काल गहराई वाले क्षेत्रों में सड़क नेटवर्क और नई चौकियों के विकास में निवेश किया है। फिर भी, क्षेत्र में अतिरिक्त चीनी सैनिकों की स्थायी या अर्ध-स्थायी तैनाती संभावित रूप से भारत के लंबे समय से चले आ रहे लाभ को कम कर सकती है।

इजराइल ने 24 घंटे में बरसाए 400 बम, 700 से ज्यादा फिलिस्तीनियों की मौत का दावा

इजराइल द्वारा गाजा पर आसन्न जमीनी हमले की खबरों के बीच, भारत ने इजराइल-गाजा संघर्ष पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति और चल रहे संघर्ष में बड़े पैमाने पर नागरिक जीवन के नुकसान पर चिंता व्यक्त की है। इसके अलावा, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन ने कहा है कि इज़राइल अपने फैसले खुद कर सकता है, क्योंकि अमेरिका सावधानी बरतने का आग्रह करते हुए दृढ़ता से अपने सहयोगी का समर्थन करता है। इस बीच, इज़रायली रक्षा बलों ने कहा है कि वे गाजा पट्टी में जमीनी प्रवेश की तैयारी कर रहे थे। मंगलवार को, इज़राइल ने कहा कि उसने पिछले दिन 400 हवाई हमले किए, जिसमें हमास के कमांडर और आतंकवादी मारे गए क्योंकि वे इज़राइल पर रॉकेट दागने की तैयारी कर रहे थे। एक दिन पहले, इज़राइल ने 320 हमलों की सूचना दी थी क्योंकि इज़राइली प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हमास को कुचलने के लिए 7 अक्टूबर के हमलों के बाद से बार-बार कसम खाई है। युद्ध के परिणामस्वरूप, 7 अक्टूबर को इजरायली शहरों पर हमास के हमले के बाद इजरायल द्वारा क्षेत्र को सील करने के बाद से गाजा में 2.3 मिलियन लोग भोजन, पानी और दवा से बाहर हो रहे हैं। हमास द्वारा संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, कम से कम 5,791 फ़िलिस्तीनी मारे गए और 16,297 घायल हुए। युद्ध शुरू होने के बाद से कब्जे वाले वेस्ट बैंक में हिंसा और इजरायली छापे में 96 फिलिस्तीनी मारे गए हैं और 1,650 घायल हुए हैं।

अमेरिका से रिश्ते सुधारना चाहता है चीन, वैश्विक चुनौतियों के लिए मिलकर काम करने को इच्छुक

बीजिंग। (एजेंसी)। चीनी राज्य मीडिया के अनुसार, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने बुधवार को कहा कि चीन संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ सहयोग करने को इच्छुक है क्योंकि दोनों पक्ष अपने मतभेदों को प्रबंधित करते हैं और वैश्विक चुनौतियों का जवाब देने के लिए मिलकर काम करते हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका-चीन संबंधों पर न्यूयॉर्क मुख्यालय वाली राष्ट्रीय समिति के वार्षिक रात्रिभोज में दिए गए एक पत्र में शी ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन साथ आने का सही तरीका स्थापित कर सकते हैं या नहीं, यह दुनिया के लिए महत्वपूर्ण होगा।

अधिक स्थिर द्विपक्षीय संबंधों के लिए शी का आह्वान, जो उनका कहना है कि ÷परस्पर सम्मान, शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व और जीत-जीत सहयोग के सिद्धांतों पर बनाया जाना चाहिए, इस सप्ताह के अंत में विदेश मंत्री वांग यी की वाशिंगटन की महत्वपूर्ण यात्रा से पहले आता है। नवंबर में एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपीईसी) शिखर सम्मेलन में सैन फ्रांसिस्को में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन और शी के बीच अपेक्षित बैठक से पहले शीर्ष चीनी राजनयिक की गुरुवार से शनिवार तक की यात्रा उच्चतम स्तर की व्यक्तिगत भागीदारी होगी। अमेरिकी विदेश सचिव एंटनी ब्लिंकन सहित कई शीर्ष अमेरिकी अधिकारियों ने इस गर्मी में बीजिंग में अपने चीनी समकक्षों से मुलाकात की।

वाशिंगटन की सर्वोच्च प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं

के बीच तीव्र प्रतिस्पर्धा हो और व्यापार से लेकर ताइवान और दक्षिण चीन सागर तक कई मुद्दों पर उनकी असहमति संघर्ष में न बदल जाए। चीन के राज्य-नियंत्रित ग्लोबल टाइम्स ने कहा कि चीनी पर्यवेक्षकों का मानना है कि (वांग की) यात्रा दोनों देशों के प्रमुखों के बीच संभावित बैठक का मार्ग प्रशस्त करेगी, लेकिन उन्होंने कहा कि वाशिंगटन को बीजिंग की चिंताओं को दूर करने और अपनी ईमानदारी दिखाने के लिए ठोस प्रयास करने की जरूरत है।

जज जनता से वोट नहीं मांगते, लेकिन समाज की प्रगति में बड़ा योगदान देते हैं: सीजेआई चंद्रचूड

वाशिंगटन (एजेंसी)। कार्यपालिका के कामकाज में न्यायपालिका के दखल से जुड़ी बहस का जवाब देते हुए देश के मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने कहा कि भले ही जजों का चुनाव नहीं होता हो, लेकिन उनकी भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। हम हर 5 साल में जनता के बीच वोट मांगने नहीं जाते हैं, लेकिन इसकी भी एक वजह हैज मेरा मानना है कि न्यायपालिका हमारी सोसायटी के डेवलपमेंट में एक स्थाई प्रभाव डालती है। खासकर ऐसे वक्त में जब टेक्नोलॉजी तेजी से चेंज हो रही है। जस्टिस ने कहा कि लोग सिर्फ किसी फैसले के लिए अदालत का रुख नहीं करते हैं, ब?ल्कि तमाम लोग संवैधानिक बदलाव के लिए भी न्यायालय का दरवाजा खटखटाते हैं। जस्टिस चंद्रचूड़, वॉशिंगटन के जॉर्ज टाउन यूनिवर्सिटी लॉ सेंटर और दिल्ली स्थित सोसायटी फॉर डेमोक्रेटिक राइट्स द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए सीजेआई ने कहा कि अदालतें भीं सरकार की तमाम संस्थाओं में से एक हैं। हां सबके बीच अपनी शक्तियों का बंटवारा है। हम ना तो विधायिका के कामकाज में दखल देते हैं और न तो कार्यपालिका के कामकाज में।

सीजेआई ने आगे कहा- 'बहुत सारे मामलों में हम निर्णय लेते हैं, जिनमें हालिया समलैंगिक विवाह का मामला भी शामिल है। मेरा मानना है कि परिणाम महत्वपूर्ण हैं, लेकिन प्रक्रिया भी परिणाम जितनी ही महत्वपूर्ण है'। सीजेआई ने राज्य द्वारा सकारात्मक कार्रवाई के सिद्धांत पर भी चर्चा की और कहा कि इसका उद्देश्य व्यापक समानता हासिल करना है और यह समानता के अधिकार के खिलाफ नहीं है। इसी कार्यक्रम में चीफ जस्टिस ने उच्चतम न्यायालय में बहुपक्षीयता के मुद्दे पर भी बात की। उन्होंने कहा कि संवाद और विचार-विमर्श के लिए संविधान एवं न्यायिक मंचों का उपयोग करने की न्यायाधीशों की क्षमता एक स्थिर समाज की कुंजी है, क्योंकि दुनिया भर के कई समाजों में, कानून के शासन ने हिंसा के शासन का स्थान लिया है।

अमेरिका में भारतीय समुदाय ने रोजगार प्राधिकरण कार्ड जारी करने में लचीलेपन की मांग की

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में भारतीय मूल के हजारों लोग ग्रीन कार्ड मिलने का दशकों से इंतजार कर रहे हैं, जिसके मद्देनजर एक भारतीय प्रवासी निकाय ने अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन से रोजगार प्राधिकरण कार्ड जारी करने संबंधी नियमों में ढील दिए जाने का आग्रह किया है।

'फाउंडेशन फॉर इंडिया एंड इंडियन डायस्पोरा स्टडीज' (एफआईआईडीएस) ने कहा कि भारतीय मूल के करीब 11 लाख प्रवासी वीजा धारक प्राथमिकता तिथि मिलने का इंतजार कर रहे हैं, ताकि वे आई-485 के लिए आवेदन करने सकें, जिसके बाद उन्हें ग्रीन कार्ड मिल सके। उसने कहा कि देशवार सात प्रतिशत की सीमा से उनकी वार्षिक मंजूरी बाधित हो रही है और करीब 135 साल की देरी हो रही है, यानी करीब चार लाख से अधिक लोग अपने जीवनकाल में कभी स्थायी निवासी नहीं बन पाएंगे। एफआईआईडीएस ने कहा कि ग्रीन कार्ड जारी करने की प्रक्रिया के शुरुआती चरणों के दौरान रोजगार प्राधिकरण कार्ड जारी करने से बड़ी संख्या में भारतीय अमेरिकियों, उनके जीवनसाथियों और बड़े हो रहे उनके बच्चों को कई अनिश्चितताओं और संकट से बचाने में मदद मिलेगी। एफआईआईडीएस के नीति एवं रणनीति प्रमुख खंडेराव कांड ने अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) के निदेशक उर जाद्दौ को पत्र लिखकर आग्रह किया कि वह 'लंबे समय तक आव्रजन में देरी के मानवीय पहलुओं और इन व्यक्तियों द्वारा अमेरिकी समाज में लाई गई अपार संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए' इस मामले पर शीघ्र विचार करें। उन्होंने कहा, 'इन बदलावों को लागू करने से न केवल इन परिवारों पर भारी दबाव कम होगा, बल्कि अमेरिका एक ऐसे राष्ट्र के रूप में मजबूत होगा जो प्रतिभा और विविधता को महत्व देता है और उसे प्रोत्साहित करता है।'

यूएन के महासचिव से इजराइल ने मांगा इस्तीफा बोला-आप इस पद के लायक नहीं

तेल अवीव (एजेंसी)। इजराइल और हमास के बीच चल रही जंग के बीच जुबानी जंग भी शुरु हो गई है। यूएन लगातार इजराइल को नसीहत देते हुए इंसानियत और नैतिकता का पाठ पढ़ा रहा है। ये सब सुनते सुनते इजराइल युनाइटेड नेशन पर भड़क गया है। गुस्से में इजराइल के राजदूत गिलाद एर्दान ने यूएन के महासचिव एंतोनियो गुतारेस से यहां तक कह दिया कि आप इस पद के लायक नहीं हैं,आपको तत्काल अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। एर्दान यहीं नहीं रुके उन्होंने यह भी कहा कि आप नैतिकता और इंसानियत खो चुके हैं,इसलिए आपको पद पर रहने का हक नहीं है। उन्होंने कहा कि आप ऐसे शब्दों का उपयोग कर रहे हैं जिन्हें सुनने की अब इजराइल के पास क्षमता नहीं है। आप आतंकवाद को सहन करके उसे बढ़ावा दे रहे हैं। एर्दान ने कहा,इजरायल के नागरिकों और यहूदी लोगों के खिलाफ किए गए सबसे भयानक अत्याचारों के प्रति दया दिखाना ठीक नहीं हैं।

इजराइल की इस नाराजगी का परिणाम ये हुआ कि इजराइल के विदेश मंत्री एली कोहेन की मुलाकात संयुक्त राष्ट्र के मुख्यालय में गुतारेस से होनी थी जिसे रद्द कर दिया गया है। इसके अलावा उन पर आतंकवाद को बर्दाश्त करने और उचित ठहराने का आरोप लगाया। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने कहा, यह भी मानना महत्वपूर्ण है कि हमास द्वारा किए गए हमले अकारण

नहीं हुए। फलस्तीन के लोगों को 56 वर्षों से घुटन भरे कब्जे का सामना करना पड़ रहा है।

इजराइल का संयुक्त राष्ट्र के प्रति गुस्से का एक कारण यह भी रहा है कि यूएन के महासचिव गुतारेस ने कहा था उन्होंने अपनी ज़मीन को लगातार (यहूदी) बस्तियों द्वारा हड़पते और हिंसा से ग्रस्त होते देखा है। उनकी अर्थव्यवस्था चरमरा गई। उनके लोग विस्थापित हो गए और उनके घर ध्वस्त कर दिये गए। अपनी दुर्दशा के राजनीतिक समाधान की उनकी उम्मीदें खत्म होती जा रही हैं। उन्होंने कहा, लेकिन फलस्तीनियों की शिकायतों को हमास के भयावह हमलों से उचित नहीं ठहराया जा सकता है। और वे भयावह हमले फलस्तीनी लोगों की सामूहिक दंड को उचित नहीं ठहरा सकते है।हमास आतंकवादियों के खिलाफ युद्ध में इजरायल ने अभी तक जमीनी हमला नहीं शुरू किया है। हालांकि, गाजा पट्टी पर अपने हमले को और तेज कर दिया है। 7 अक्टूबर को इजरायल पर हमास के घातक हमले के बाद चल रहे युद्ध में हजारों लोग मारे गए हैं। इसके अलावा, इजराइल ने गाजा पर नाकाबंदी लगा दी है। जिसके कारण गाजा में लाखों लोगों के सामने भोजन पानी जैसी बुनियादी जरुरतों का संकट खड़ा हो गया है।

सूर्य का तापमान 1.5 लाख डिसे से भी ज्यादा होने का अनुमान

- इसके बावजूद कैसे सूर्य के करीब पहुंच जाते सैटेलाइट

वाशिंगटन (एजेंसी)। माना जाता है कि सूर्य का तापमान 1.5 लाख डिग्री सेल्सियस से भी ज्यादा होगा। सिर्फ उसकी सतह का तापमान ही 6000 डिग्री सेल्सियस हो सकता है। हमारे सौरमंडल में सूर्य से ज्यादा गर्म कोई ग्रह नहीं। लेकिन एक बार आश्चर्य करने वाली है कि इतना तापमान होने के बावजूद सैटेलाइट सूर्य के करीब तक कैसे पहुंच जाते हैं? पिघलते क्यों नहीं? आखिर वे किस मैटेरियल के बने होते हैं? ऑनलाइन प्लेटफार्म कोरा पर यही सवाल पूछा गया। आइए जानते हैं कि इसका सही जवाब क्या है।भारत ने भी अपना सोलर मिशन 'आदित्य-एल1' लांच किया है, जो पृथ्वी से लगभग 15 लाख किलोमीटर की ऊंचाई तक पहुंचेगा और सूर्य के कुछ करीब जाकर रुकेगा। यहीं से वह सूर्य की गतिविधियों, आंतरिक और बाहरी वातावरण का अध्ययन करेगा। बता दें कि सूर्य से धरती की दूरी लगभग 15 करोड़ किलोमीटर है। इसमें सिर्फ 15 लाख किलोमीटर की 'आदित्य-एल1' जाएगा। 5 साल पहले अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने पार्कर सोलर प्रोब भेजा था, जो सूर्य के बेहद करीब पहुंचा। वहां तापमान लगभग 1377 डिग्री सेल्सियस था। ऐसे में सवाल है कि इतने तापमान में भी यह अंतरिक्ष यान पिघला क्यों नहीं। जवाब खुद नासा ने दिया है।

नासा के मुताबिक, पार्कर सोलर प्रोब को खास तरीके से डिजाइन किया गया था, ताकि यह 10 लाख डिग्री फॉरेनहाइट तक का तापमान भी सह सके। इसकी कुंजी एक खास तरह के डिस्क में है, जिसमें यान को रखा गया है। इसमें एक थर्मल प्रोटेक्शन सिस्टम लगा हुआ है। सूरज की भयंकर गर्मी से अंतरिक्ष यान और उपकरणों की सुरक्षा इसमें लगाई गई साढ़े चार ईंच मोटी एक ढाल करेगी, जिसे कार्बन से तैयार किया गया है। यह पिघलेगा क्यों नहीं, इसके पीछे गर्मी बनाम तापमान की अवधारणा को समझना होगा।असल में तापमान और गर्मी दोनों अलग-अलग चीजे हैं। कोई चीज कितनी गर्म होगी, यह इस बात पर निर्भर करता है कि वहां का वातावरण कैसा है। वहां कितनी वस्तुएं मौजूद हैं।

अगर वातावरण अंतरिक्ष की तरह खाली होगा तो वहां मौजूद कोई भी चीज कम गर्म होगी। जैसे सूर्य के आसपास बहुत ज्यादा चीजें नहीं है, इसलिए वहां तापमान ज्यादा होने के बावजूद गर्मी अपेक्षाकृत कम होगी। यानी अगर वातावरण में खालीपन हो तो आप हजारों डिग्री तापमान में भी बिना गर्मी महसूस किए रह सकेंगे।नासा के मुताबिक, तापमान मापता है कि वातावरण में कण कितनी तेजी से घूम रहे हैं। जबकि उष्मा उनके द्वारा स्थानांतरित की जाने वाली ऊर्जा की कुल मात्रा को मापती है। यहीं पर सारा खेल हो जाता है। कण तेजी से आगे बढ़ सकते हैं, लेकिन अगर वे संख्या में कम हैं तो अधिक तापमान लेकिन कम गर्मी लेकर जाएंगे। चूंकि अंतरिक्ष अधिकतर खाली है, इसलिए बहुत कम कण हैं जो अंतरिक्ष यान में ऊर्जा स्थानांतरित कर सकते हैं।

आप इसे ऐसे समझें कि अगर अपने हाथ को गर्म ओवन में डालते हैं तो क्या होता है। ज्यादा गर्मी महसूस नहीं होती। लेकिन अगर उतनी ही गर्मी वाला गर्म पानी हाथ पर डालते हैं तो छाले आ जाएंगे। ओवन में आपका हाथ गर्म पानी की तुलना में ज्यादा तापमान सहन कर

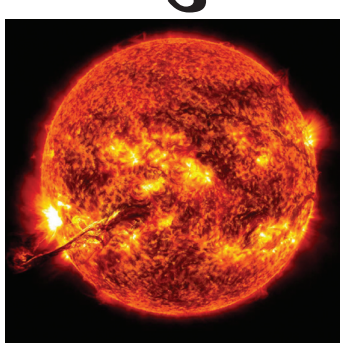

सकता है। क्योंकि वह कई कणों के संपर्क में नहीं है। मालूम हो कि सूर्य की सतह तक आज तक कोई नहीं पहुंच पाया। यह इतना गर्म है कि सही तापमान भी नहीं मापा जा सका है। सिर्फ वैज्ञानिकों ने एक तकनीक की मदद से अनुमान लगाया है।

महाकाल की नगरी से पीएम मोदी 30 को करेंगे चुनावी शंखनाद

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 30 अक्टूबर को बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन आ रहे हैं। आचार सहिंता के बाद उनका यह पहला दौरा है। इसी वक्त पीएम यहीं से चुनाव प्रचार की शुरुआत करते हुए जनसभा को संबोधित करेंगे। यह सभा मालवा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में होगी। 15 दिनों तक बीजेपी का प्रचार अभियान धुआंधार चलेगा। प्रधानमंत्री मोदी के दौरे को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने तैयारियां शुरू कर दी है। बता दें कि मध्य प्रदेश में 17 नवंबर को विधानसभा चुनाव होने हैं। इसे लेकर सभी राजनीतिक पार्टियों ने कमर कस ली है। प्रदेश में दिग्गज नेताओं के दौरे भी तेज हो गए हैं। इसी कड़ी में पीएम नरेंद्र मोदी 30 अक्टूबर को मध्य प्रदेश के उज्जैन आएंगे। जहां वे बाबा महाकाल की नगर में जनसभा करेंगे ।प्रदेश में आचार संहिता लगने के बाद पीएम मोदी पहली बार मध्य प्रदेश में चुनावी सभा करेंगे।

लॉकर से निकल रहे करोड़ों रुपए और सोने ने पुलिस की बढ़ाई मुसीबत

जयपुर। राजस्थान में आयकर विभाग के अधिकारी और पुलिस दोनों के लिए एक लॉकर ने मुसीबत खड़ी कर दी है। जयपुर की एक बैंक का लॉकर अब 4 करोड़ 26 लाख नगद और 400 ग्राम सोना उगल चुका है। ये किसके हैं और कहां से आए है इसको लेकर जांच अधिकरी बीते 12 दिनों से मशक्कत कर रहे हैं लेकिन अभी तक कोई पता नहीं चल सका है। अधिकारियों ने यहां खुले एक लॉकर में 20 लाख रुपए की नकदी पकड़ी है। जिसके बारे में लॉकर धारक के पास भी कोई जानकारी नहीं है। अन्य लॉकर्स में से अधिकारियों को सामान्य घरेलू ज्वेलरी व अन्य निजी निवेश से संबंधित दस्तावेज मिले, जिन्हें छोड़ दिया गया ।आयकर विभाग अब तक कुल चार करोड़ 26 लाख रुपए की नकदी और 400 ग्राम सोना जब्त कर चुका है। आयकर अधिकारियों ने अब तक 56 लॉकर्स को संदिग्ध मान कर इनके मौजूदा लॉकर धारकों को नोटिस जारी किए हैं। जिसमें से 40 लॉकर धारक ही जांच में सहयोग कराने पहुंचे। वहीं 16 लॉकर धारक विभाग से नोटिस का जवाब देने के लिए अतिरिक्त समय की मांग कर रहे हैं।

सीमेंट उद्योग पर अडानी के एकाधिकार का खामियाजा भुगतेगा देश : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि देश के सीमेंट उद्योग पर अडानी समूह का एकाधिकार होने से इसमें प्रतिस्पर्धा का दौर खत्म हो गया है जिसका खामियाजा सीमेंट की भारी कीमत देकर उपभोक्ताओं को उठाना पड़ेगा। कांग्रेस ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर कहा 'देश के सीमेंट कारोबार पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मित्र अडानी का कब्जा है। अंबुजा सीमेंट अडानी का, एसीसी अडानी का, सांघी सीमेंट्स अडानी का। अगर बाजार में कम्पटीशन होता तो सीमेंट के दाम आसमान न छूते लेकिन मोदी जी की कृपा से उनके मित्र अडानी की इस क्षेत्र में मोनोपोली है। जनता की जेब से पैसे खींचकर, मित्र की जेब में भरने का सिलसिला जारी है, क्योंकि मोदी जी को दोस्ती प्यारी है।' पार्टी के संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने भी ट्वीट किया और कहा 'अडानी ने अंबुजा सीमेंट, एसीसी और सांघी इंडस्ट्रीज़ को ख़रीद लिया है और अब ओरिएंट सीमेंट को भी खरीदने वाले हैं। यह कंप्टीशन से भरा एक ऐसा बाज़ार था जहां सुनिश्चित किया जाता था कि क़ीमतें कम रहें। अब उसे सिर्फ़ 02 बड़ी कंपनियों के द्वारा नियंत्रित किया जा रहा है। मोदी मेड मोनोपोली से महंगाई बढ़ाकर जनता को लूटने का यह सबसे ताज़ा उदाहरण है।' उन्होंने कहा 'रिजर्व बैंक के पूर्व डिप्टी गवर्नर विरल आचार्य ने अप्रैल में भारत में महंगाई बढ़ने के लिए कुछ चुनिंदा बड़ी कंपनियों को ज़िम्मेदार बताया था। मोनोपोली करके ये कंपनियां 10 से 30 प्रतिशत तक क़ीमतें बढ़ा देती हैं। लूट का यह सिलसिला तभी रुकेगा जब प्रधानमंत्री सत्ता से बाहर जाएंगे। लोग सब देख और समझ रहे हैं। आने वाले चुनावों में इन सबका जवाब देंगे।' इसके साथ ही उन्होंने एक अखबार में छपी खबर भी पोस्ट की है जिसमें कहा गया है 'देश की सभी सीमेंट कंपनियां जिस कच्चे माल के बहाने कीमतें 20 प्रतिशत तक बढ़ा चुकी हैं, वह एक साल में 50 प्रतिशत तक सस्ता हुआ है।'

बसपा को दिखी उम्मीद : मप्र में 8 रैलियां करेंगी मायावती,6 नंवबर को निवाड़ी से होगी शुरुआत

भोपाल। मध्य प्रदेश में होने जा रहे विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और भाजपा के अलावा दूसरे दल भी ताल ठोक रहे हैं। जिसके चलते चुनाव प्रचार भी काफी तेज हो गया है। बसपा ने भी मध्य प्रदेश में अपने उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं। उनके समर्थन में बसपा सुप्रीमो मायावती यहां 8 रैलियां करेंगी। जिसकी शुरुआत 6 नवंबर को निवाड़ी से होगी। बसपा की नजर प्रदेश में दलित और आदिवासी समुदाय के वोटों पर हैं। बसपा सुप्रीमो मायावती चुनाव जीतने के लिए प्रदेश के ग्वालियर चंबल और बुंदेलखंड में रैली और जनसभा करेंगी ।मायावती की 8 रैली कार्यक्रम तय किए गए हैं। तय कार्यक्रम के मुताबिक, बसपा सुप्रीमो 6 नवंबर को निवाड़ी और सेवढ़ा में चुनावी रैली को संबोधित करेंगी। 7 नवंबर को छतरपुर और दमोह में रैलियां निकलेंगी। 8 नवंबर को रीवा और सतना में चुनावी रैली आयोजित होगी। वहीं 14 नवंबर को भिंड और मुरैना जिले में रैली कर जनसभा को संबोधित करेंगी। बता दें कि एमपी में विधानसभा चुनाव के लिए 30 अक्टूबर तक नामांकन भरे जाएंगे। 31 अक्टूबर को नामांकन की समीक्षा की जाएगी। 2 नवंबर तक नाम वापस ले सकते हैं। पूरे प्रदेश में 17 नवंबर को एक ही चरण में मतदान की प्रक्रिया संपन्न होगी। मतगणना 3 दिसंबर को होगी। इसे लेकर प्रदेश की सभी राजनीतिक पार्टियों ने कमर कस ली है।

कानपुर के अस्पताल में संक्रमित खून चढ़ाने की गंभीर लापरवाही : खडगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने उत्तर प्रदेश के कानपुर में 14 बच्चों को संक्रमित खून चढ़ाने की घटना को गंभीर लापरवाही और शर्मनाक स्थिति बताते हुए कहा है कि केंद्र तथा राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने व्यवस्था को डबल बीमार बना दिया है। श्री खडगे ने बुधवार को यहां जारी बयान में भाजपा सरकार पर हमला करते हुए कहा 'डबल इंजन सरकार ने हमारी स्वास्थ्य व्यवस्था को डबल बीमार कर दिया है।' उन्होंने कहा 'यूपी के कानपुर में एक सरकारी अस्पताल में थैलीसीमिया के 14 बच्चों को संक्रमित खून चढ़ा दिया गया, जिससे इन बच्चों को एचआईवी एड्स और हेपेटाइटिस बी, सी जैसी चिंताजनक बीमारियाँ हो गई हैं।' उन्होंने कहा 'ये गंभीर लापरवाही शर्मनाक है। मासूम बच्चों को भाजपा सरकार के इस अक्षम्य अपराध की सजा भुगतनी पड़ रही है। मोदी जी कल हमें 10 संकल्प लेने की बड़ी-बड़ी बातें सिखा रहे थे, क्या उन्होंने कभी अपनी भाजपा सरकारों की रत्ती भर भी जवाबदेही तय की है।'

गिरफ्तारी के खिलाफ चंद्रबाबू नायडू की पत्नी राज्यव्यापी दौरे पर निकलीं, जगन की मंत्री ने कसा तंज

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश में सत्तारूढ़ जगन मोहन रेड्डी सरकार के एक मंत्री ने एपी कौशल विकास निगम घोटाले के सिलसिले में अपने पति चंद्रबाबू नायडू की अवैध गिरफ्तारी के खिलाफ नारा भुवनेश्वरी की 'निजाम गेलावली' (सच्चाई की जीत होनी चाहिए) यात्रा पर हमला किया। युवजन श्रमिका रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) की मंत्री रोजा सेल्वामणि ने कहा कि अगर सच्चाई सामने आई तो चंद्रबाबू नायडू और उनके परिवार को आजीवन कारावास की सजा हो सकती है। उन्होंने कहा कि हम भी चाहते हैं कि सत्य की जीत हो. अगर सत्य की जीत हुई तो चंद्रबाबू जीवन भर जेल में रहेंगे। संभावना है कि उनके साथ भुवनेश्वरी और लोकेश भी जेल जायेंगे। यात्रा के हिस्से के रूप में नारा भुवनेश्वरी राज्य भर में पूर्व सीएम नायडू की गिरफ्तारी के बारे में सुनकर सदमे से मरने वाले लोगों के परिवारों से मुलाकात करेंगी और उन्हें सांत्वना देंगी। चित्तूर जिले के नारावरिपल्ले गांव में अपने पिता और टीडीपी संस्थापक एनटी रामाराव की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए, भुवनेश्वरी ने अपने दौरे की शुरुआत की।

इसरो प्रमुख सोमनाथ की आत्मकथा, युवाओं को प्रेरित करने का प्रयास

-पुस्तक नवंबर में बिक्री के लिए उपलब्ध होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भले ही उन्होंने करोड़ों रुपये की परियोजनाओं के तहत देश को चंद्रमा पर विजय प्राप्त करने में मदद की हो, सूर्य के लिए भी ऐसा ही प्रयास कर रहे हों और भारतीयों को अंतरिक्ष में भेजने की तैयारी में लगे हों, लेकिन भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एस. सोमनाथ की शुरुआत एक पुरानी साइकिल और एक मामूली से आवास से हुई जिनका इस्तेमाल वह कॉलेज में रहने के दौरान परिवहन और छात्रावास के खर्चों में कटौती के लिए करते थे।

कई अन्य बातों के अलावा इन छोटे विवरणों का उल्लेख उनकी मलयालम में लिखी आत्मकथा में मिलता है, जिसे वे प्रतिभाशाली लेकिन आत्मविश्वास की कमी से जूझ रहे युवाओं को प्रेरित करने का प्रयास कहते हैं। मलयालम में 'निलावु कुदिचा सिम्हांगल' शीर्षक से लिखी गई आत्मकथा प्रेरणा की एक कहानी है। यह कठिनाइयों का सामना करने में कड़ी मेहनत और दृढ़ इच्छाशक्ति पर केंद्रित है।

चंद्र मिशन की सफलता के बाद और आदित्य-एल1 सौर मिशन तथा गगनयान परीक्षण वाहन के लगातार प्रक्षेपण के बीच सोमनाथ ने अपनी आत्मकथा लिखने के लिए किसी तरह समय निकाल लिया। केरल स्थित लिपि प्रकाशन द्वारा प्रकाशित पुस्तक नवंबर में बिक्री के लिए उपलब्ध होगी। यह किताब एक गरीब गांव के युवा की घटनापूर्ण गाथा, इसरो के माध्यम से विकास, वर्तमान प्रतिष्ठित पद तक पहुंचने और चंद्रयान-3 प्रक्षेपण तक की उनकी यात्रा की कहानी है।

उन्होंने कहा, यह वास्तव में एक साधारण ग्रामीण युवा की कहानी है, जो यह भी नहीं जानता था कि उस इंजीनियरिंग में दाखिला लेना चाहिए या बीएससी में... यह उसकी दुविधाओं, जीवन में लिए गए सही फैसलों और भारत जैसे देश में उस युवक को मिले अवसरों के बारे में है। इसरो अध्यक्ष ने कहा, ''इस पुस्तक का उद्देश्य मेरी जीवन की कहानी को पढ़ाना नहीं है। इसका एकमात्र उद्देश्य लोगों को जीवन में प्रतिकूलताओं से जूझते हुए अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित करना है।''

सोमनाथ ने अपनी साधारण ग्रामीण पृष्ठभूमि को याद किया, लेकिन कहा कि देश ने उनके सामने अपार अवसर खोले और आत्मकथा इस उजागर करने का एक प्रयास है। यह चंद्रयान-3 की ऐतिहासिक सफलता थी जिसने उन्हें जल्द ही एक किताब लाने के लिए प्रेरित किया। सोमनाथ ने कहा कि कई युवा प्रतिभाशाली होते हैं, लेकिन उनमें आत्मविश्वास की कमी होती है। उनके अनुसार, किताब का उद्देश्य यह बताना है कि जीवन में मिलने वाले अवसरों का उपयोग करना बेहद जरूरी है, चाहे हालात कुछ भी हों।

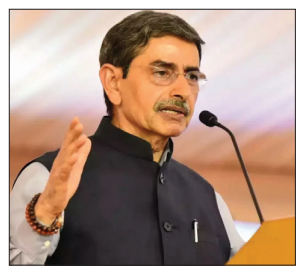

तमिलनाडु के राज्यपाल के घर पर फेंका गया पेट्रोल बम, बीजेपी ने डीएमके सरकार पर लगाया आरोप

चेन्नई। तमिलनाडु राज्य के राज्यपाल आरएन रवि का आधिकारिक निवास राजभवनके गेट पर पेट्रोल बम फेंकने के आरोप में बुधवार को एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। घटना दोपहर करीब 2-45 बजे हुई, जब कारुका विनोथ नाम के व्यक्ति ने राजभवन के मुख्य द्वार पर पेट्रोल से भरे दो कंटेनर फेंके। पुलिस के अनुसार, विनोथ ने सैदापेट कोर्ट के परिसर में खड़ी मोटरसाइकिलों से पेट्रोल चुराया था, जिसके बाद वह राजभवन की ओर चला गया जहां उसने दो बोतलों में पेट्रोल डाला, उनमें आग लगा दी और मुख्य द्वार पर फेंक दिया। बीजेपी की तरफ से डीएमके सरकार पर सवाल उठाए गए। बता दें कि डीएमके और राज्यपाल के बीच इन दिनों जुबानी जंग जारी है। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) के प्रवक्ता टीकेएस एलंगोवन ने राज्य में स्वतंत्रता सेनानियों के साथ व्यवहार पर उनकी हालिया टिप्पणियों के लिए राज्यपाल आरएन रवि की आलोचना की। राज्यपाल रवि ने त्रिची में यूपीएससी अभ्यर्थियों को संबोधित करते हुए इतिहास को मिटाने और तमिलनाडु के स्वतंत्रता सेनानियों को जाति के नेताओं के अधीन किए जाने पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने आर्य-द्रविड़ सिद्धांत पर भी प्रकाश डाला। एलंगोवन ने राज्यपाल रवि से राजभवन से बाहर निकलने और पड़ोसी इमारतों का निरीक्षण करने का आग्रह किया, जिनका निर्माण द्रमुक सरकार द्वारा स्वतंत्रता सेनानियों के सम्मान में किया गया था।

खड़गे का दावा, पांचों राज्यों में कांग्रेस की बनेगी सरकार, मध्य प्रदेश में सत्ता विरोधी लहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि सबसे पुरानी पार्टी अगले महीने होने वाले सभी पांच राज्यों में सरकार बनाएगी। इसके साथ ही उन्होंने दादा किया कि भारतीय जनता पार्टी शासित मध्य प्रदेश में सत्ता विरोधी लहर है। खड़गे ने कहा कि छत्तीसगढ़ और राजस्थान में कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकारें अपना काम ठीक से कर रही हैं और वहां के लोगों को किसी भी समस्या का सामना नहीं करना पड़ रहा है। आपको बता दें कि नवंबर में पांच राज्यों - तेलंगाना, मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, मिजोरम - में एक या दो चरणों में विधानसभा चुनाव होने हैं। इन राज्यों में कांग्रेस लगातार अपनी ताकत लगा रही है। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस का सीधा मुकाबला भाजपा से है।

खड़गे ने कहा कि पांच राज्यों में होने वाले चुनाव को लेकर कांग्रेस की तैयारियां अच्छी चल रही हैं। हमें विश्वास है कि हम सभी राज्यों में जीत हासिल करेंगे। उन्होंने कहा कि मुख्य रूप से मुद्रास्फीति और बेरोजगारी के कारण भाजपा के लिए सत्ता विरोधी लहर रही है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में लोग शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के खिलाफ हो रहे हैं। कांग्रेस प्रमुख ने केंद्र में बीजेपी पर आरोप लगाते हुए कहा कि पार्टी ने अपना कोई भी चुनावी वादा पूरा नहीं किया। उन्होंने कहा, ÷जो भी वादे किए गए, भाजपा ने एक भी वादा पूरा नहीं किया। चाहे वह बेरोजगारी हो, किसानों की आय दोगुनी करना हो या निवेश हो।'

खड़गे अपने गृह जिले कलबुर्गी, कर्नाटक के दौरे पर हैं। वहां से उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार कर्नाटक की उपेक्षा कर रही है। उन्होंने कहा, '(कर्नाटक को) कोई केंद्रीय परियोजना नहीं दी जा रही है।' मध्य प्रदेश विधानसभा में 230 सीटें हैं। 2018 के चुनाव में कांग्रेस ने 41.5 फीसदी वोट शेयर के साथ 114 सीटें जीतीं जबकि बीजेपी को 41.6 फीसदी वोट शेयर के साथ 109 सीटें मिली। मिजोरम में 7 नवंबर, छत्तीसगढ़ में 7 नवंबर और 17 नवंबर, मध्य प्रदेश में 17 नवंबर, राजस्थान में 25 नवंबर और तेलंगाना में 30 नवंबर को चुनाव होंगे। सभी राज्यों में वोटों की गिनती 3 दिसंबर को होगी।

प्रेम और करुणा के बिना मानवता जीवित नहीं रह सकती : राष्ट्रपति

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को राष्ट्रपति भवन में ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा आयोजित अंतर्धार्मिक बैठक में कहा कि प्रेम और करुणा के बिना मानवता जीवित नहीं रह सकती। राष्ट्रपति ने कहा कि जब विभिन्न धर्मों के लोग एक साथ मिल-जुलकर रहते हैं तो समाज और देश का सामाजिक ताना-बाना मजबूत होता है। यही ताकत देश की एकता को और मजबूत करती है और प्रगति के पथ पर ले जाती है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य 2047 तक भारत को एक विकसित देश के रूप में स्थापित करना है, इस लक्ष्य को हासिल करने में सभी का सहयोग आवश्यक होगा। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि धर्म हमारे जीवन में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। धार्मिक मान्यताएं और प्रथाएं हमें विपरीत परिस्थितियों में राहत, आशा और शक्ति प्रदान करती हैं। प्रार्थना, ध्यान और अनुष्ठान मनुष्य को आंतरिक शांति और भावनात्मक स्थिरता का अनुभव करने में मदद करते हैं लेकिन शांति, प्रेम, पवित्रता और सच्चाई जैसे मौलिक आध्यात्मिक मूल्य ही हमारे जीवन को सार्थक बनाते हैं। इन मूल्यों से रहित धार्मिक प्रथाएं हमारा कल्याण नहीं कर सकती हैं। समाज में शांति और सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए सहिष्णुता, एक-दूसरे के प्रति सम्मान और सौहार्द्र के महत्व को समझना आवश्यक है। राष्ट्रपति ने कहा कि प्रत्येक मानव आत्मा स्नेह और सम्मान की पात्र है। स्वयं को पहचानना, अपने मूल आध्यात्मिक गुणों के अनुसार जीवन जीना और ईश्वर के साथ आध्यात्मिक संबंध रखना ही सांप्रदायिक सद्भाव और भावनात्मक एकीकरण का सहज साधन है।

सिब्बल का भाजपा पर कटाक्ष- आप राजनीतिक लाभ के लिए कितनी बार भगवान राम का इस्तेमाल करेंगे?

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर राजनीतिक लाभ के लिए भगवान राम का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया और कहा कि भाजपा के शासन में भगवान राम का एक भी गुण दिखाई नहीं देता। सिब्बल की यह टिप्पणी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा यह कहे जाने के एक दिन बाद आई है कि अयोध्या में भगवान राम का एक भव्य मंदिर बनाया जा रहा है। मोदी ने कहा, 'भगवान श्री राम बस आने ही वाले हैं।' प्रधानमंत्री का कहना था कि अगली रामनवमी के दौरान मंदिर में प्रार्थना से पूरी दुनिया में खुशियां फैलेंगी। सिब्बल ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'भाजपा से कहना है कि आप राजनीतिक लाभ के लिए कितनी बार भगवान राम का इस्तेमाल करेंगे? आप भगवान राम के गुणों को क्यों नहीं अपनाते।' सिब्बल ने पिछले साल मई में कांग्रेस छोड़ दी थी और समाजवादी पार्टी के समर्थन से एक निर्दलीय सदस्य के रूप में राज्यसभा के लिए चुने गए। उन्होंने एक गैर-चुनावी मंच 'इंसाफ' बनाया है।

इजरायल और हमास के बीच छिड़ी जंग पर दुनिया के सामने भारत ने रखा अपना पक्ष, कहा- नागरिक जीवन के नुकसान को लेकर बेहद चिंतित

नई दिल्ली (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र में भारत के उप स्थायी प्रतिनिधि (डीपीआर) राजदूत आर. रवींद्र ने बुधवार को कहा, 'भारत बिगड़ती सुरक्षा स्थिति और चल रहे संघर्ष में बड़े पैमाने पर नागरिक जीवन के नुकसान को लेकर बेहद चिंतित है। मानवीय संकट बढ़ रहा है।'

इजरायल-हमास युद्ध पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत- भारत ने इजराइल-हमास में जारी संघर्ष में बड़े पैमाने पर आम नागरिकों की मौत और सुरक्षा की खराब होती स्थिति पर गंभीर चिंता जताते हुए सभी पक्षों से शांति के लिए आवश्यक परिस्थितियां बनाने और तनाव कम कर सीधी बातचीत फिर से शुरू करने की दिशा में काम करने का आग्रह किया है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी उपप्रतिनिधि आर रवींद्र ने मंगलवार को पश्चिम एशिया की स्थिति पर सुरक्षा परिषद की बैठक में यह टिप्पणी की।

आम नागरिकों की मौत से बहुत चिंतित है भारत - रवींद्र ने कहा, ''भारत बिगड़ती सुरक्षा स्थिति और संघर्ष में बड़े पैमाने पर आम नागरिकों की मौत से बहुत चिंतित है। बढ़ता मानवीय संकट भी उतना ही चिंताजनक है।'' उन्होंने कहा कि क्षेत्र में बढ़ती शत्रुता ने न सिर्फ गंभीर मानवीय स्थिति को और खराब कर दिया है, बल्कि संघर्ष-विराम की नाजुक प्रकृति को एक बार फिर रेखांकित किया है। रवींद्र ने कहा, ''मौजूदा संघर्ष में नागरिकों का हताहत होना लगातार गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है। सभी पक्षों को नागरिकों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों की रक्षा करनी चाहिए। वर्तमान मानवीय संकट से निपटने की जरूरत है।''

बातचीत करके तनाव कम करने का निकाला जाए हल - भारत ने सभी पक्षों से शांति के लिए आवश्यक परिस्थितियां बनाने, तनाव कम करने और हिंसा से बचने सहित सीधी बातचीत फिर से शुरू करने की दिशा में काम करने का आग्रह किया। रवींद्र ने कहा, ''मौजूदा तनाव ने इजराइल और फलस्तीन के बीच सीधी एवं विश्वसनीय बातचीत को तत्काल फिर से शुरू करने की आवश्यकता को रेखांकित किया है। इन वार्ताओं को फिर से शुरू करने के लिए अनुकूल परिस्थितियां बनाने के वास्ते हर संभव प्रयास किए जाने चाहिए।''

भारत ने इजराइल-फलस्तीन मुद्दे पर बातचीत के जरिये 'दो-राष्ट्र समाधान' का समर्थन किया- रवींद्र ने कहा कि इजराइल की वैध सुरक्षा चिंताओं के मद्देनजर भारत ने हमेशा इजराइल-फलस्तीन मुद्दे पर बातचीत के जरिये 'दो-राष्ट्र समाधान' का समर्थन किया है, जिससे फलस्तीन की एक संप्रभु, स्वतंत्र और व्यवहार्य देश के रूप में स्थापना हो सके, जो सुरक्षित और मान्यता प्राप्त सीमाओं के भीतर इजराइल के साथ शांति से रह सके। उन्होंने कहा, ''हम इस दिशा में प्रत्यक्ष शांति वार्ता को शीघ्र फिर से शुरू करने की आवश्यकता दोहराते हैं।'' सामान्य स्थिति बहाल करने के उद्देश्य से क्षेत्रीय और वैश्विक खिलाड़ियों के सभी प्रयासों का स्वागत करते हुए रवींद्र ने इजराइल-फलस्तीन मुद्दे का न्यायसंगत, शांतिपूर्ण और स्थायी समाधान प्राप्त करने के लिए भारत की दृढ़ प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

मुंबई के शिवाजी पार्क में खूब गरजे उद्धव ठाकरे, कहा सामने बैठे लोग इस खोखे वाली सरकार को उखाड़ फेकेंगे

*** 'दम है तो महाराष्ट्र में चुनाव करा कर देखें' : उद्धव**

मुंबई (एजेंसी)। जैसा कि कयास लगाया जा रहा था और हुआ भी वही जब दशहरा रैली में मुंबई के शिवाजी पार्क से महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे खूब गरजे। उन्होंने महाराष्ट्र की एकनाथ शिंदे सरकार और केंद्र की मोदी सरकार पर जमकर हमला बोला. उद्धव ठाकरे ने मराठा आरक्षण के साथ-साथ दिल्ली सरकार बनाम केंद्र का जिक्र करते हुए कहा कि बीजेपी हो या जनसंघ हो इनका कभी किसी आंदोलन से कोई संबंध नहीं रहा. जिस तरह से हनुमान जी ने सोने की लंका का दहन किया था, उसी तरह सामने बैठे लोग इस खोखे वाली सरकार को उखाड़ फेकेंगे. उन्होंने कहा, मैं जरांगे पाटिल को धन्यवाद देता हूं, उन्होंने समझदारी से आंदोलन जारी रखा है, ये सरकार जनरल डायर की सरकार है शांतिपूर्वक आंदोलन कर रहे लोगों पर लाठीचार्ज किया. महिलाओं को बेरहमी से मारा गया, मैं भी मुख्यमंत्री था, मराठा आंदोलन शुरु था, लेकिन मैंने कभी लाठीचार्ज का आदेश नहीं दिया. हमारी पुलिस कानून व्यवस्था को मानने वाली पुलिस है, गद्दार सरकार को कहिए मराठा आरक्षण का मुद्दा सुलझाए. मराठा आरक्षण को लेकर उद्धव ठाकरे ने कहा, जिस तरह से दिल्ली सरकार को लेकर सुप्रीम कोर्ट का फैसला आया तो आर्डिनेंस लाया गया उसी तरह लोक सभा में विधेयक लाकर आरक्षण दिया जा सकता है, ये बाला साहब का सच्चा विचार है. बीजेपी हो या जनसंघ हो इनका कभी किसी आंदोलन से संबंध नहीं रहा, चाहे आजादी का आंदोलन हो या फिर संयुक्त महाराष्ट्र की लड़ाई, ये जिस पार्टी के साथ गए उसको बर्बाद किए. हम सुप्रीम कोर्ट गए, कोर्ट ने हर बार इनको सुनाया फिर भी ये नहीं सुन रहे. उद्धव ने कहा, मराठा आरक्षण को लेकर आत्महत्या करने वाले लोगों से मैं हाथ जोड़कर कहता हूं कि अपने परिवार की तरफ देखें, सुसाइड न करें.

विधायकों की अयोग्यता मामले पर उद्धव ठाकरे ने कहा, मैं कोर्ट का सम्मान करता हूं, लेकिन तारीख पर तारीख चल रहा है. मैं तो कहता हूं कि केस का फैसला रहने दो, हिम्मत है तो पहले चुनाव करा लो और जनता का फैसला आने दो. पीएम मोदी घराने शाही बताते हैं. मुझे अपने घराने पर अभिमान है. हिटलर का क्या घराने शाही का था? गद्दाफी क्या घराने शाही का था? उन्होंने कहा, बाला साहेब ठाकरे ने कहा था कि मजबूत सरकार की गरज है. चिंता करने जैसी कोई बात नहीं है. अपनी सरकार आएगी, जरूर लाऊंगा और सरकार आएगी तो जो लोग हमारे लोगों को तंग कर रहे हैं उनको उल्टा टांगने के बगैर शांत नहीं बैठूंगा. देश में कुछ समय पहले हनुमान चालीसा की बात की जा रही थी, मणिपुर में हनुमान चालीसा क्यों नहीं पढ़ा गया? इंडिया गठबंधन का जिक्र करते हुए पूर्व सीएम ने कहा कि ये लोग विपक्षी गठबंधन की तुलना इंडियन मुजाहिद्दीन से करते हैं और देश के दुश्मन पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेलते हैं, जश्न मनाते हैं.

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

स्पा की आड़ में चल रहे देह व्यापार के धंधे पर पुलिस ने पैनी नजर

600 से ज्यादा जगहों पर छापेमारी कर 90 लोगों को गिरफ्तार किया

शहर पुलिस कमिश्नर अजय तोमर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी दी है.

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर में स्पा की आड़ में चल रहे अवैध देह व्यापार के धंधे के खिलाफ पुलिस कमिश्नर ने सख्त कार्रवाई का नोटिस दिया है। इसी के तहत शहर एसओजी, पीसीबी समेत क्राइम ब्रांच की विभिन्न टीमें छापेमारी कर रही हैं। नवरात्रि के दौरान पिछले एक सप्ताह से ऐसी जगहों पर सूरत पुलिस द्वारा की गई कार्रवाही की जानकारी देते हुए पुलिस आयुक्तअजय तोमर ने कहा कि महिलाओं की गरिमा बनाए रखने के लिए शहर पुलिस हमेशा प्रयासरत है।

शहर पुलिस द्वारा अभियान चलाया कि कोई भी तत्व नवरात्रि के पवित्र त्योहार का दुरुपयोग न करे। जिसके मुताबिक शहर पुलिस की ओर से 602 जगहों पर छापेमारी कर चेकिंग की गई। इस बीच, स्पा की आड़ में चल रहे देह व्यापार के धंधे के खिलाफ 16 मामले दर्ज किए गए हैं। शहर के कुछ होटलों में ऐसी गतिविधियों को रोकने के लिए शहर पुलिस द्वारा जारी अधिसूचना का उल्लंघन करने के आरोप में 62 मामलों में 90 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा, पुलिस कमिश्नर ने कहा है कि शहर के स्कूलों के आसपास ऐसी गतिविधियों में शामिल पाए जाने वाले और युवाओं को आकर्षित करने वाले होटल मालिकों और प्रबंधकों के लाइसेंस रद्द करने की कार्रवाई की गई है।

जीयाव बुडिया चौराहे पर यातायात समस्या को लेकर मयुर गोलवाला ने सुझाव दिए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत। सचिन इंडस्ट्रीयल सोसायटी के महासचिव की शिकायत पर हजीरा मगदल्ला राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 53 पर जीआव बुड़िया चौराहे के पास स्थापित 4 स्पीड ब्रेकरों में से 2 को तुरंत हटा दिया गया था। हालांकि, शाम छह बजे से रात नौ बजे तक पीक आवर्स के दौरान अब भी ट्रैफिक की समस्या रहती है।

सचिन इंडस्ट्रीयल सोसायटी के महासचिव मयुर गोलवाला ने पुलिस आयुक्त और चोर्यासी विधायक को पत्र लिखकर यातायात समस्या को लेकर सुझाव दिए है। इस स्थान पर यातायात का मुख्य कारण भारी वाहनों का जीयाव बुड़िया चौराहे के पास पलसाना की ओर यू-टर्न लेना है, और कुछ वाहन पांडेसरा बमरोली रोड की ओर दाहिनी ओर मुड़ना भी है। ऐसे में चार पहिया वाहनों की लंबी कतार लग जाती है, जिससे ट्रैफिक की अत्यधिक समस्या उत्पन्न हो जाती है। साथ ही गभेनी चौराहे के पास भी उन की ओर जाने वाली सड़क बंद है, जिसके कारण 100 फीसदी वाहनों को जीयाव बुड़िया चौकड़ी जाना पड़ रहा है।

इसके अलावा जीयाव बुड़िया चौराहे के पास हाईवे के एक तरफ की सर्विस रोड तैयार नहीं है, जबकि दूसरी तरफ की सर्विस रोड अधूरी है, जो भी जाम का कारण है। इसके अलावा चौराहे पर ओवर ब्रिज काफी समय से स्वीकृत है। लेकिन वह काम अभी तक शुरू नहीं हुआ है। अगर वहां ट्रैफिक समस्या का स्थायी समाधान करना है तो ओवरब्रिज का काम भी युद्धस्तर पर करना होगा। इसके अलावा जीयाव बुड़िया चौराहे के पास जो ट्रैफिक होता है, उसकी पर्याप्त रोकथाम के लिए सूरत शहर की तरह चौकबाजार, अठवालाइन्स, रिंग रोड, सूरत रेलवे स्टेशन के पास ट्रैफिक की भयंकर समस्या रहती थी। तो पुलिस आयुक्त के अनुसार उस समय विशेष टीम द्वारा निरीक्षण कर यातायात समस्या का संतोषजनक समाधान निकाला गया। उसी प्रकार यदि उनकी राय के अनुसार जीयाव बुड़िया चौराहे पर स्पेशल टीम के साथ निरीक्षण किया जाए तो निश्चित तौर पर यातायात सुगम होगा। साथ ही ओवरब्रिज का काम पूरा होने तक वहां ट्रैफिक कंट्रोल पुलिस की व्यवस्था करना भी बेहद जरूरी है। ताकि कोई घातक दुर्घटना न हो और हमारे या किसी अन्य के परिजन की हानि न हो, कृपया इस बात का विशेष ध्यान रखें।

प्रस्तावित फ्लायओवर ब्रिज का काम जल्द शुरू करे, तब तक विशेष टीम द्वारा निरिक्षण कर यातायात समस्या का समाधान लाया जाए

एसटी कर्मचारियों ने बकाया मांगों को पूरा करने के लिए काली पट्टी बांधकर सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया

सरकार के खिलाफ नारे लगाए, मांगें पूरी नहीं हुई तो सीएल पर उतरेंगे

सूरत में प्रदर्शन करते एसटी निगम कर्मचारी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत :गुजरात राज्य एसटी निगम बोर्ड के कर्मचारी एक बार फिर विभिन्न लंबित मांगों का समाधान नहीं होने से नाराज हैं। एसटी कॉर्पोरेशन बोर्ड के कर्मचारियों द्वारा आज सूरत में मध्यस्थ बस स्टेशन पर विरोध प्रदर्शन किया गया। सरकार द्वारा बढ़ाए गए महंगाई भत्ते से लागू वेतन आयोग की सुविधा नहीं मिलने पर एसटी कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने काली पट्टी बांधकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और 30 अक्टूबर तक मांग पूरी न होने पर तीन नवंबर को सभी कर्मचारी एक साथ मास सीएल पर उतरने और विरोध प्रदर्शन की चेतावनी दी।

गुजरात एसटी निगम बोर्ड के कर्मचारी विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिलने के कारण विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। कर्मचारियों के विभिन्न लंबित मुद्दों का समाधान नहीं होने पर एक बार फिर कर्मचारियों ने आंदोलन की राह पकड़ ली है। गुजरात एसटी मजदूर महासंघ के उपाध्यक्ष ने कहा कि सरकार की ओर से महंगाई भत्ते की घोषणा तो कर दी गई है, लेकिन इसका लाभ एसटी कर्मचारियों को नहीं दिया गया है।

सातवें वेतन आयोग में भी एसटी कर्मचारियों को उचित लाभ नहीं दिया गया है। सरकार ने वर्तमान में कोन्ट्राक्ट बेज पर काम कर रहे कर्मचारियों के लिए 20 प्रतिशत वेतन वृद्धि की घोषणा की है, लेकिन एसटी निगम के कर्मचारियों को यह नहीं दिया गया है।

10 अलग-अलग मांगें पूरी नहीं होने पर उन्होंने आंदोलन का रास्ता अपनाया।

तीन नवंबर को सीएल पर विरोध प्रदर्शन किया जायेगा

गुजरात एसटी निगम बोर्ड के कर्मचारियों द्वारा अपनी बकाया मांगों को पूरा करने के लिए विभिन्न प्रकार के विरोध कार्यक्रमों की घोषणा की गई है। आज काली पट्टी बांधकर विरोध जताया और जमकर नारेबाजी की। अब 27 से 30 तारीख तक कर्मचारी काम पर काली पट्टी और काले कपड़े पहनकर विरोध जताएंगे।

चेतवनी देते हुए आगे कहा कि, अगर 2 नवंबर तक सरकार ने हमारी मांगें नहीं मानी तो 3 नवंबर को गुजरात के एसटी निगम के सभी कर्मचारी मास सीएल पर उतरेंगे और उग्र विरोध प्रदर्शन करेंगे और इसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार की होगी।

सूरत में बिजनेसमैन ने बीओबी को लगाया 100 करोड़ का चूना लोन लेकर पत्नी के साथ विदेश भागा

सूरत शहर के एक बड़े कारोबारी से पैसे लेकर धोखाधड़ी करने का आरोप

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत : देश में बैंक लोन से जुड़ी धोखाधड़ी की कई घटनाएं सामने आ रही हैं. (लोन फ्राउड) फिर सूरत में एक दंपत्ति ने बैंक ऑफ बड़ौदा को 100 करोड़ का चूना लगाया है. सूरत की एक हाईटेक मीठे पानी की कंपनी के डायरेक्टर ने बैंक ऑफ बड़ौदा से 100 करोड़ का लोन लिया. इसके अलावा जानकारी मिली है कि वे अन्य लोगों के भी कुछ रुपये लेकर विदेश भाग गये हैं. (बैंक ऑफ बड़ौदा) को कई शिकायतें मिली हैं। (probe cbi) गांधीनगर सीबीआई ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।

सूरत क्राइम ब्रांच ने जांच की थी

प्राप्त विवरण के अनुसार सूरत में हाईटेक स्वीट वाटर कंपनी के निदेशक विजय शाह और उनकी पत्नी ने बैंक ऑफ बड़ौदा से १०० करोड़ का लोन लिया था. इसके अलावा वह शहर के अन्य बड़े व्यवसायियों को भी चूना लगाकर विदेश भाग चुका है. विदेश जाने से पहले कंपनी के एक कर्मचारी को निदेशक बनाकर सतीश अग्रवाल को निदेशक पद से हटा दिया गया, ताकि उनके खिलाफ कोई कार्रवाई न हो. ठगी का शिकार हुए लोगों ने मीडिया को बताया कि हमें विजय शाह की धोखाधड़ी के कई सबूत मिले हैं. उन्होंने इस पूरे घोटाले को लेकर गांधीनगर सीबीआई में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद शिकायत को आगे की जांच के लिए सूरत आर्थिक अपराध अपराध शाखा को भेज दिया गया। जिसकी जांच सूरत क्राइम ब्रांच ने की है.

प्रधानमंत्री कार्यालय को पत्र लिखकर जानकारी दी

सूत्रों के मुताबिक, एक कंपनी के मालिक ने प्रधानमंत्री कार्यालय को पत्र लिखकर इस मामले की जानकारी दी है. जालसाजों की भी कई शिकायतें मिली हैं। जिसमें राजस्थान के अजमेर और जयपुर शहर में जीआईडीसी अंकलेश्वर में जमीन धोखाधड़ी के मामले में विजय शाह और नरेंद्र गर्ग के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है. इसके अलावा अक्टूबर 2017 में सूरत में एक ही फ्लैट दो लोगों को बेचने के मामले में उमरा थाने में केस दर्ज किया गया है. जिसमें विजय शाह को भी गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे डाल दिया गया था. शहर के बड़े कारोबारी मीडिया से कह रहे हैं कि ऐसे धोखेबाज लोगों को विदेश से यहां लाकर सलाखों के पीछे डाल देना चाहिए.

अठवालाइन्स चौराहे के पास सड़कों पर गिरा तेल, वाहन स्लीप होने पर लगा ट्रैफिक जाम

आठ से दस वाहन चालक फिसलने से तत्काल दमकल स्टाफ को सूचित किया गया

सडक पर गिरे तेल पर मिट्टी डालते दमकलकर्मी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में अठवालाइन्स चौराहे के पास सड़क पर किसी वाहन से लिकेज हुआ तेल फैल गया। तेल सडक पर फैलने से आवाजाही कर रहे वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। मेट्रो परिचालन के कारण आधी सड़क अवरुद्ध हो गई और तेल फैलने के कारण आधी सड़क अवरुद्ध हो गई। 8 से 10 टु व्हिलर वाहन स्लीप होने से यातायात काफी प्रभावित हुआ था।

घटना की सूचना मिलने के बाद तत्काल मौके पर पहुंचे दमकलकर्मियों ने सडक पर से तेल की सफाई शुरू कर दी। सड़क पर तेल फैलने से वाहन चालकों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। सड़क पर तेल फैलने से ट्रैफिक जाम हो गया। फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और सड़क पर मिट्टी डालकर तेल सुखाने का प्रयास किया। तेल फैलने के कारण सड़क से वाहनों का निकलना मुश्किल हो गया। तेल पर से जो भी वाहन गुजरते ते वह स्लीप हो जाते थे। जिससे इस जगह पर ट्राफिक जाम हो गया। यातायात सुचारू करने के लिए यातायात पुलिस दौड़ पड़ी। जिसने सड़क से यातायात को सुगम बनाया। तेल पर डाली हुई मिट्टी सुखने के बाद मसला सुलझने से सड़क पर यातायात फिर से बहाल हो गया।

सूरत में 20 हजार से ज्यादा महिलाएं ब्रेस्ट कैंसर से पीड़ित हैं

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत: इस वर्ष स्तन कैंसर के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए अक्टूबर के पूरे महीने को पिंक अक्टूबर के रूप में मनाया जाता है, इस नारे के साथ कि आपके परिवार या रिश्तेदारों में महिलाओं का महत्व है, महिला के स्वास्थ्य पर ध्यान आकर्षित करना और यदि उसे कैंसर है, तो उसे समर्थन मिले। हर तरह से और एक व्यक्ति के रूप में और समाज की ओर से मदद करना। वहीं सूरत में 20,000 से ज्यादा महिलाओं के स्तन कैंसर से पीड़ित होने की आशंका है.

भारत में महिलाओं में स्तन कैंसर सबसे आम बीमारी है। दो साल में एक लाख 25 महिलाओं को स्तन कैंसर होता है। जबकि अमेरिका में 90 प्रतिशत मरीज इस बीमारी से ठीक हो जाते हैं। जबकि भारत में 50 से 60 फीसदी मरीज ठीक हो जाते हैं. हालाँकि, सूरत में 20,000 से अधिक महिलाएँ स्तन कैंसर से पीड़ित हैं । आज के युग में बदलती जीवनशैली , अधिक फास्ट फूड , मसालेदार भोजन , मिठाइयां , मोटापा , व्यायाम की कमी , अधिक उम्र में बच्चे को जन्म देना , बच्चे को स्तनपान न कराना स्तन कैंसर का कारण बन सकता है। उस समय 40 साल के बाद हर महिला को हर साल मेडिकल और ब्रेस्ट कैंसर की जांच करानी चाहिए। डॉक्टर द्वारा मैमोग्राफी , सोनोग्राफी , बायोप्सी और पेस्टस्कैन कराने से इस बीमारी के बारे में पता चल सकता है। जबकि इसके इलाज में ऑपरेशन , रेडिएशन , कीमोथेरेपी , इम्यून थेरेपी, आधुनिक इलाज से मरीजों को ठीक किया जा सकता है। वह भारत कैंसर अस्पताल के कैंसर विशेषज्ञ हैं। नीलेश महल ने कहा.

सिविल स्थित लायंस कैंसर सेंटर के कैंसर विशेषज्ञ डॉ. नेहा पटेल ने कहा कि पिछले साल की तुलना में इस साल स्तन कैंसर की घटनाओं में 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। पहले 40 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं को स्तन कैंसर होता था,